E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

# आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNINO.UPHIN/2015/63398

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक-172 | प्रयागराज, बुधवार 08 अक्टूबर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

## यूएन में भारत बोला-पाकिस्तान अपने लोगों पर बम गिराता है,जिनकी सेना 4 लाख महिलाओं से दुष्कर्म करे उन्हें दूसरों को सिखाने का हक नहीं

नयी दिल्ली। भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर को लेकर झूठे प्रचार करने पर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। ओपन डिबेट के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा, 'पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जो अपने ही लोगों पर बम गिराता है और नरसंहार करता है।' हरीश ने कहा, 'जो अपने लोगों पर बम गिराए और 4 लाख महिलाओं के साथ रेप जैसा अमानवीय अपराध करे, उसे दूसरों को सिखाने का कोई अधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दुनिया का ध्यान भटकाने और गुमराह करने के लिए झूठ और बढ़ा-चढ़ाकर बातें करता है।' हरीश ने यह बयान उस समय दिया, जब एक पाकिस्तानी अधिकारी ने आरोप लगाया कि कश्मीरी महिलाएं दशकों से यौन हिंसा झेल रही हैं। वहीं, भारत ने एक बार फिर दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। हरीश ने कहा, 'पाकिस्तान वही देश है जिसने 1971 में ऑपरेशन सर्चलाइट चलाया था और अपनी सेना को 4 लाख महिला नागरिकों के नरसंहार और सामूहिक बलात्कार के सुनियोजित अभियान को मंजूरी दी थी। दुनिया पाकिस्तान के इस झूठे प्रचार को भली-भांति समझती है।' पाकिस्तान की सेना ने 1971 में ऑपरेशन सर्चलाइट के तहत पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में क्रूर दमन शुरू किया, जिसमें 30 लाख लोग मारे गए और

महिला नागरिकों के साथ बलात्कार किया गया। पाकिस्तान की खैबर पख्तूनख्वा की तिराह घाटी में पाकिस्तानी सेना ने 22 सितंबर को बिना कोई चेतावनी जारी किए ही बम गिरा दिए। इस हमले की चपेट में आकर 30 लोगों की जान चली गई थी।स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान की वायुसेना इन हमलों के जरिए आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को निशाना बनाने की कोशिश कर रही थी। हालांकि, आतंकियों के बजाय हमले में अधिकतर नागरिकों की मौत हो गई। पिछले हफ्ते भी भारत ने पाकिस्तान को फटकार लगाई थी। जिनेवा में मानवाधिकार परिषद की बैठक में भारतीय अधिकारी के.एस. मोहम्मद हुसैन ने कहा था कि पाकिस्तान दुनिया के सबसे खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा, 'जो देश अपने यहां धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करता है, वह दूसरों को मानवाधिकार का पाठ नहीं पढ़ा सकता। पाकिस्तान का असली चेहरा अब दुनिया के सामने आ चुका है।' ऑपरेशन सर्चलाइट के बारे में जानिए- ऑपरेशन सर्चलाइट पाकिस्तान की सेना का एक सैन्य अभियान था, जिसे 25 मार्च 1971 की रात शुरू किया गया था। इसका मकसद था पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) में बंगाली आबादी के आंदोलन को कुचलना। 1970 में पाकिस्तान में आम चुनाव हुए थे। इनमें शेख मुजीबुर्रहमान की पार्टी अवामी लीग को भारी जीत मिली थी। इस जीत से पूर्वी पाकिस्तान की जनता को उम्मीद थी कि उन्हें आजादी मिलेगी। पश्चिमी पाकिस्तान की सैन्य सरकार (जनरल याह्या खान की अगुआई वाली) ने सत्ता हस्तांतरित करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पूर्वी पाकिस्तान में विरोध और आंदोलन शुरू हो गया। 25 मार्च 1971 की रात, पाकिस्तानी सेना ने ढाका विश्वविद्यालय, अखबार दफ्तरों, छात्रावासों और आम नागरिक इलाकों में हमला किया। इस अभियान में बड़े पैमाने पर हिंसा, हत्याएं, बलात्कार और मानवाधिकार उल्लंघन हुए। अनुमान के अनुसार, लाखों लोग मारे गए और करीब 1 करोड़ लोग शरणार्थी बनकर भारत में आए। इस अत्याचार के बाद बंगाली जनता ने स्वतंत्रता संग्राम शुरू किया। भारत ने भी मानवता और शरणार्थी संकट को देखते हुए 16 दिसंबर 1971 में हस्तक्षेप किया। 13 दिनों के युद्ध के बाद 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान को हार माननी पड़ी और बांग्लादेश नाम से नया देश बना। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी भारत को धमकी दी थी।

## 'ये कुशासन का अंत है', बिहार चुनाव की तारीखें घोषित होते ही विपक्ष ने एनडीए को घेरा, तेजस्वी यादव बोले- परिवर्तन का बिगुल बज चुका है

पटना। बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है. सूबे की 243

सीटों पर दो चरणों में मतदान होंगे. पहले चरण में 6 नवंबर को 121 सीटों पर वोटिंग होगी. जबकि दूसरे चरण में 11 नवंबर को 122 सीटों पर चुनाव होंगे. इस चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को घोषित किये जाएंगे. चुनावी तारीखों के ऐलान के बाद विपक्ष पूरी तरह से हमलावर हो गया है. बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने 14 नवंबर को बदवाल की तारीख बताया है. उन्होंने जनता से महागठबंधन को समर्थन देने की मांग की है. वहीं कांग्रेस ने भाजपा-जदयू सरकार को भ्रष्टाचार और कुशासन की सरकार बताया है. निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने एनडीए सरकार को पैसे और झूठ के बल पर चुनाव जीतने का आरोप लगाय है. तेजस्वी यादव ने 14 नवंबर को बिहार के परिवर्तन की शुरुआत बताया है. उन्होंने कहा कि, 14 नवंबर 2025 की तारीख बिहार के सुनहरे भविष्य, विकास और परिवर्तन की शुरुआत होगी. अब परिवर्तन का बिगुल बज चुका है. बिहार के युवा बेरोजगारी और सत्ता परिवर्तन के लिए वोट करें. जो काम 17 सालों में एनडीए सरकार नहीं कर सकी वो उन्होंने 17 महीनों में कर दिया. आने वाले 20 महीनों में ही नया बिहार बनायेंगे.

## चीन ने जे-16 से एफ-22, एफ-35 स्टील्थ विमानों को लॉक करने का किया दावा, इंडो-पैसिफिक में तहलका, अमेरिका अब क्या करेगा?

बीजिंग। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स और सरकारी न्यूज चैनल सीसीटीवी ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के

दोनों स्टील्थ फाइटर जेट एफ-22 और एफ-35 को लॉक कर लिया था। ये बहुत सनसनीखेज दावा है, जिसने दुनिया भर के डिफेंस एक्सपर्ट्स को चौंका दिया है। सीसीटीवी की तरफ से दिखाए गये एक डॉक्यूमेंट्री में दावा किया गया है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक पायलट ने दो विदेशी स्टील्थ फाइटर जेट को लॉक किया था, जो संभवतः एफ-35 और एफ-22 हो सकते हैं। वीडियो में पायलट कह रहा है कि उसने दोनों विमानों को लॉक कर लिया था और उसे पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ये घटना पिछले साल चीन के तटीय इलाके में हुई थी। 3 अक्टूबर को सीसीटीवी ने इस मामले को लेकर रिपोर्ट जारी किया है। जिसमें दावा किया गया है कि ये अपनी तरह का पहला मामला है और उस घटना के बाद से चीन के तटीय इलाके के पास फिर कोई स्टील्थ फाइटर जेट को नहीं देखा गया है। चीन के इस दावे ने डिफेंस की दुनिया में एक्सपर्ट्स को हैरान कर दिया है, क्योंकि चीनी जे-16 फाइटर जेट, तकनीकी लिहाज से एक 4.5-जनरेशन फाइटर जेट है, जबकि एफ-22 और एफ-35 दुनिया के सबसे एडवांस पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर माने जाते हैं। आपको बता दें कि जे-16 फाइटर जेट को चीन के शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन ने डेवलप किया है और ये रूसी एसयू-27 से प्रेरित एक मल्टीरोल स्ट्राइक फाइटर है। इसमें अत्याधुनिक एँ रडार, इंफ्रारेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और एडवांस फायर कंट्रोल तकनीक शामिल हैं, जो 200-250 किमी तक के लक्ष्यों को ट्रैक करने की क्षमता रखता है। सीसीटीवी की रिपोर्ट में पायलट ली चाओ ने कहते नजर आ रहे हैं कि 'जब दोनों विदेशी जेट्स ने हमारे सामने उड़ान भर रहे थे तो हमने उन्होंने चेतावनी दी, लेकिन वे और करीब आए।

## एक्सिडेंट में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर मिलेंगे 25 हजार, यूपी सरकार की राह वीर योजना

लखनऊ। अब सड़क हादसों में घायल व्यक्तियों की मदद करने

वालों को उत्तर प्रदेश सरकार 'राह-वीर' के रूप में सम्मानित और 25 हजार रुपये देकर पुरस्कृत करेगी। यह योजना सोमवार से गौतमबुद्ध नगर में भी लागू हो गई है। इसका मकसद आम लोगों को बिना किसी डर या झिझक के घायलों को समय पर अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करना है। एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि अक्सर लोग पुलिस पूछताछ या अन्य झंझटों के डर से घायलों की मदद करने से कतराते हैं। इन चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार ने स्पष्ट किया गया है है कि जो भी व्यक्ति हादसे के पहले 'गोल्डन ऑवर' (हादसे के एक घंटे) में घायल को अस्पताल पहुंचाएगा, उसे सरकार की ओर से सम्मान-पत्र और पुरस्कार दिया जाएगा। डॉ. उदित नारायण पांडेय ने यह भी बताया कि यदि घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मृत्यु भी हो जाती है, तब भी मदद करने वाले को सम्मान मिलेगा, बशर्ते अस्पताल यह पुष्टि करे कि मौत का कारण सड़क हादसा था। यह योजना मानवीय संवेदना और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए लाई गई है। सरकार चाहती है कि आम जनता सड़क पर घायल पड़े लोगों को नजरअंदाज न करे, बल्कि तुरंत मदद के लिए आगे आए। डॉ. पांडेय ने कहा कि हर एक मिनट किसी घायल की जान बचाने में अहम होता है, और आम लोगों की मदद से सैकड़ों जानें बचाई जा सकती हैं। गंभीर सड़क दुर्घटना उसे माना जाएगा, जिसमें बड़ी सर्जरी करनी पड़े, घायल तीन दिन से ज्यादा अस्पताल में भर्ती रहे, मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट हो, या इलाज के दौरान मौत हो जाए। अब मदद करने वाले को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा, बल्कि उसे समाज में 'राह-वीर' के रूप में पहचान मिलेगी।

## संस्कृत दुनिया को जोड़ने वाली भाषा बनेगी, सीएम योगी ने कहा- दुनिया का पहला विश्वविद्यालय तक्षशिला भी भारत की देन

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को वाराणसी पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने अन्नपूर्णा ट्रस्ट द्वारा आयोजित सिलाई-कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 14 वे सत्रांत समारोह में 250 बालक-बालिकाओं को सिलाई मशीन एवं लैपटॉप वितरित किए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत दिव्य ज्ञान की भाषा है। आने वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा संस्कृत ही होगी। संस्कृत के जरिए एक-दूसरे की संस्कृति से जुड़ाव तो होगा ही ही विश्व कल्याण का रास्ता भी निकलेगा। दुनिया का पहला विश्वविद्यालय तक्षशिला भी भारत की ही देन है, जिसकी उपज पाणिनि थे। महर्षि वाल्मीकि ने दुनिया का पहला संस्कृत महाकाव्य रचा था। संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए सरकार स्कॉलरशिप के साथ ही रहने-खाने और उच्च स्तर पर शोध के लिए लगातार कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, स्किल मिशन के जरिए सरकार लगातार महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर उनका सफर आसान कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में कृषि के बाद सबसे अधिक लोगों को रोजगार वस्त्र सेक्टर देता है। महिलाएं जो कपड़ा तैयार करेंगी उसको पूरे विश्व की महिलाएं पहनेंगी। प्रदेश की राजधानी में 1100 एकड़ में वस्त्र मित्र पार्क और कई शहरों में टेक्सटाइल पार्क बनाया जा रहा है, जो आने वाले समय में वस्त्र उद्योग के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि देश का नेतृत्व दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता पीएम नरेंद्र मोदी कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने महिलाओं के उत्थान के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, 60 लाख महिलाओं को आवास, 12 करोड़ से ज्यादा लोगों को शौचालय मुहैया करवाने, 10 करोड़ से ज्यादा गैस कनेक्शन और घरौनी मुहैया करने सहित कई कार्य किए जा रहे है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियो के साथ विकास कार्यों की प्रगति ओर कानून व्यवस्था की समीक्षा की। सीएम योगी ने सरकारी जमीनों से अवैध कब्जे हटाने व गरीबो की जमीन कब्जा न होने पाए, इसे हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने शासत्रीय संगीत के दिग्गज दिवगंत पंडित छन्नूलाल मिश्र के आवास पर जाकर परिवारीजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इससे पहले योगी ने कालभैरव एवं काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन किया। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान (इरी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (आईसार्क) में आयोजित तीन दिवसीय डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) कॉन्क्लेव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रदेश को 2030 तक ग्लोबल फूड बास्केट यानी वैश्विक फूड आपूर्तिकर्ता बनाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को पाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले और जलवायु के के अनुकूल बीजों के साथ ही नई तकनीकों से टिकाऊ और लाभकारी कृषि प्रणाली की जरूरत पूरी करने में इरी, आईसार्क और सीजीआर जैसे संस्थानों के वैज्ञानिकों की अहम भूमिका होगी। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अनुकूल कृषि-पर्यावरणीय परिस्थितियों के कारण अपार संभावनाएं है। पिछले 11 साल में प्रदेश की कृषि प्रणाली में हुए क्रांतिकारी परिवर्तन से अन्न, दाल, तेलहन और सब्जियों की उत्पादन क्षमता पांच गुना तक बढ़ी है। सीमित क्षेत्रफल के बावजूद राष्ट्रीय खाद्य उत्पादन में 21 प्रतिशत योगदान देकर उत्तर प्रदेश कृषि क्षेत्र में अग्रणी राज्य बना है।

## चार साल की चांदनी पर मौत बनकर झपटा भेड़िया, पास ही खड़े थे चाचा!

बहराइच। जिले के कैसरगंज इलाके में पिछले

एक महीने से भेड़िए का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। भेड़िया इस कदर पगलाया हुआ है कि कहीं घर के आंगन, तो कहीं मां की गोद से बच्चे को उठा ले जा रहा है। सोमवार दोपहर एक बार फिर भेड़िए ने चार साल की बच्ची पर हमला बोला लेकिन इस बार बच्ची की किस्मत ठीक थी क्योंकि नजदीक में ही उसके चाचा खड़े थे। उनके दौड़ते ही पीछे-पीछे गांव वाले भी दौड़ पड़े, जिससे भेड़िया बच्ची को ले भागने में सफल नहीं हो पाया। हालांकि, भेड़िए के हमले से बच्ची को मामूली खरोंच आई, जिसका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला बदरौली गांव का हैं, जहां मजरा भगत राम पुरवा के रहने वाले राम कुमार की चार साल की बेटी चांदनी पर भेड़िये ने हमला किया। सोमवार की दोपहर करीब एक बजे, चांदनी घर के सामने खेल रही थी, तभी वहां भेड़िया आया और उसके ऊपर हमला कर दिया। मासूम की चीख सुनकर पहले उसके चाचा और इसके बाद ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर पीछे दौड़ पड़े।

इससे भेड़िया मासूम को छोड़कर भाग गया। इस पूरे इलाके में बीते चार हफ्ते से आदमखोर भेड़िए का आतंक फैला हुआ है। अभी तक भेड़िए के हमले से 4 बच्चों और 2 बुजुर्गों की मौत हो चुकी है और लगभग दो दर्जन लोग घायल हुए हैं। जनपद की महसी तहसील में पिछले वर्ष भी भेड़िये का आतंक था, उस समय भी 10 लोंगों की जान चली गई थी और लगभग 50 लोग घायल हो गए थे। बाद में दो भेड़िए मर गए थे और चार भेड़ियों को पकड़कर गोरखपुर चिड़िया घर भेज दिया गया था। लेकिन, इस वर्ष होने वाले हमलों और पिछले वर्ष होने वाले हमलों में काफी फर्क है। पिछले वर्ष दिन में हमले नहीं होते थे, लेकिन इस बार दिन में भी हमले हो रहे हैं और भेड़िए के साथ सियार भी हमला कर रहा है। कल हुए हमले के बारे में प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि जंगली जानवर के हमले की सूचना मिली है। टीम को मौके पर भेजा जा रहा है। आपको बता दें कि क्षेत्र में इस समय वन विभाग की 32 टीमें काम कर रही हैं।

## पूरामुफ्ती में थाने के पास आधी रात तड़तड़ाहट दहला इलाका

प्रयागराज। पूरामुफ्ती में महज 300 मीटर की दूरी पर पुरानी बाजार मोहल्ला रविवार की रात गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। रात करीब 9 बजकर 50 मिनट पर आठ युवकों ने पहुंचकर हवाई फायरिंग की और गालियां देते हुए फरार हो गए। इससे कुछ ही सेकंड में पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। लोगों ने घबराकर दरवाजे बंद कर लिए, तो कई घरों की बत्तियां बुझा दी गईं। बदमाशों के भागने के बाद पुलिस पहुंची तब लोग घर से बाहर निकले। सूत्रों के मुताबिक, हमलावर युवक चार बाइकों पर सवार होकर आए थे। उन्होंने अपनी बाइकें जीटी रोड के किनारे खड़ी कीं, फिर एक संकरी गली में घुसकर अचानक दनादन फायरिंग शुरू कर दी। लगभग दो मिनट तक हवा में गोलियां चलाने के बाद बदमाश गालियां देते हुए गली से बाहर निकले और फरार हो गए। फायरिंग के तुरंत बाद मोहल्ले के

लोग चीखते-चिल्लाते हुए घरों से बाहर निकले। कई लोगों ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही धूमनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बदमाश जा चुके थे। पुलिस ने आसपास के इलाकों की नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान शुरू किया, पर हमलावरों का कोई सुराग नहीं मिला। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि इस वारदात के पीछे माया गैंग का हाथ है। यह वही गैंग है जो पहले भी शहर के कई इलाकों में बमबाजी और हवाई फायरिंग कर चुका है। 2022 में सिविल लाइंस में कई स्कूलों के बाहर हुई फायरिंग और बमबाजी की घटनाओं में भी इस गिरोह का नाम सामने आया था। बताया जा रहा है कि इस गैंग में करेली, पूरामुफ्ती और धूमनगंज इलाके के कई कम उम्र के लड़के शामिल हैं जो अक्सर दहशत फैलाने के लिए खुलेआम वारदात करते हैं। एसीपी धूमनगंज अजयेंद्र यादव ने फायरिंग की बात से इनकार किया। उन्होंने कहा, सूचना पर पुलिस पहुंची थी, लेकिन मौके से किसी तरह का कारतूस या गोली का खोखा बरामद नहीं हुआ। फायरिंग की पुष्टि नहीं हुई है।

## संगमनगरी में लोक संस्कृति के रंग का उत्सव

प्रयागराज। शहर में सोमवार को आयोजित लोक संस्कृति उत्सव का दूसरा दिन प्रयाग संगीत

समिति में आयोजित हुआ। पारंपरिक लोक गीत, नृत्य और ग्रामीण परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। व्यंजना आर्ट एंड कल्चर सोसायटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने न सिर्फ लोक परंपरा को सजीव किया, बल्कि लोक संस्कृति में नवाचार की दिशा में एक सशक्त पहल भी की। इसी क्रम में भारतीय लोक संस्कृति की समृद्ध परंपरा एवं नवाचार पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का दूसरा दिन भी सार्थक और विचारोत्तेजक रहा। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे सत्यकाम (कुलपति, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय) ने कहा, भारतीय लोक संस्कृति गंगा की धारा के समान पावन और निरंतर है। नवाचार इसकी जीवंतता की वह कड़ी है, जिससे इसे और अधिक बल मिलेगा। संगोष्ठी में प्रेम कुमार मल्लिक, उर्मिला शर्मा और अभिलाष नारायण विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। विभिन्न सत्रों का समन्वय आकांक्षा पाल, दीनानाथ मौर्या और राजेश वर्मा ने क्रमशः किया। संगोष्ठी में आनंद वर्धन शुक्ल, महेश सिंह, इष्टदेव, संजय, अभिजीत दीक्षित, कल्पना दुबे, अनीता गोपेश, लोकेश शुक्ला, रक्षा सिंह और विशाल जैन ने अपने विचार रखे और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सांस्कृतिक संध्या में मन्नू यादव के बिरहा गायन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, पद्म श्री सम्मानित उर्मिला श्रीवास्तव के लोक गायन पर पूरा सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। इसके बाद अतुल यदुवंशी के नेतृत्व में प्रस्तुत नौटंकी बहुरुपिया ने दर्शकों को लोकनाट्य की ऊर्जा से भर दिया।लोक संस्कृति उत्सव के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में 50 से अधिक विद्यालयों के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। गायन, नृत्य, रंगोली और चित्रकला जैसी विधाओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

## महाकुंभ में 50 श्रद्धालुओं की फर्जी होटल बुकिंग करने वाला फ्रॉड गिरफ्तार,18.90 लाख रुपये की लगाई थी चपत

प्रयागराज। महाकुंभ के दौरान दुबई के 50 श्रद्धालुओं की फर्जी

वेबसाइट से होटल बुकिंग कराने के मामले में फरार चल रहे ठग को साइबर पुलिस ने सोमवार को मेरठ से गिरफ्तार किया है। मेरठ के थाना ब्रह्मपुरी स्थित गोरीपुरा नई भगवतपुरा निवासी आरोपी शिवांशु भारद्वाज (33) पर सस्ते दामों में होटल बुकिंग के नाम पर 18.90 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है। मूलरूप से दिल्ली के रहने वाले बृज मोहन गुप्ता दुबई में रहते हैं। उन्होंने साइबर पुलिस को बताया था कि महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज संगम में स्नान करने आना था। उनके साथ 50 श्रद्धालुओं का जत्था था। उन्होंने ऑनलाइन होटल बुकिंग के लिए शिवद्या कैंप के नाम से बनी वेबसाइट से मिले नंबर पर संपर्क किया। वीआईपी स्नान व दर्शन कराने का लालच दिया गया। साथ ही कमरे की फोटो और सभी पैकेज दिखाकर कुल 18.90 लाख रुपये ले लिए। जब वह प्रयागराज आकर शिवद्या कैंप गए तो पता चला कि उनकी कोई बुकिंग नहीं है। शिकायत पर महाकुंभ साइबर पुलिस ने केस दर्ज कर प्रयागराज साइबर पुलिस को सौंप दिया था। सोमवार को साइबर थाना प्रभारी अनिल कुमार वर्मा, कांस्टेबल रणवीर सिंह सेंगर, अतुल त्रिवेदी, प्रदीप कुमार यादव, रूप सिंह व अनुराग यादव की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

# मिशन शक्ति के तहत मिल एरिया पुलिस ने छात्राओं को दी कानूनी जानकारी,छात्राओं को पुलिस ने विस्तार से बताएं नियम कानून और हेल्पलाइन सेवा

## अमावां ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय कोड़रस बुजुर्ग मे मिशन शक्ति 5 के तहत किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मिशन शक्ति फेज 0. थाने के उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह व सियाजानकी ने विभिन्न प्रकार चाइल्ड हेल्प लाइन की जानकारी दी गई। इसके साथ ही गलत

5 अभियान के तहत बालिकाओं को मजूबत करने और उनके अधिकारों की जानकारी अनवरत दी जा रही है। सोमवार को अभियान के तहत मिल एरिया पुलिस ने अमावां विकास खण्ड के उच्च प्राथमिक विद्यालय कोड़रस बुजुर्ग में मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं को जानकारी दी। विद्यालय की छात्राओं आकृति एवं प्रिया ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। छात्राओं को जागरूक करने के अभियान के तहत मिल एरिया की हेल्पलाइन नम्बर और उनकी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जागरूक किया गया। वहीं विभिन्न योजानाओं के बारे में बताया गया। डायल 112, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ सेवा, 108 एंबुलेंस सेवा, 1098 तरीके से छूने जिसमें गुड-टच, बैड-टच, साईबर सुरक्षा, पाक्सो एक्ट, जेजे एक्ट, मानव तस्करी, नशा के दुष्प्रभाव आदि की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका डॉ. शिल्पी वर्मा, गोवर्धन प्रसाद, रचना सिंह व पवन मौर्य उपस्थित रहें। विद्यालय की ईको क्लब की सदस्य शिवि व सोनाली ने करी पत्ता के पौधे को उपहार स्वरुप थाने की टीम को प्रदान किया।

# महिला आयोग सदस्य की अध्यक्षता में पोषण पंचायत कार्यक्रम आज

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी द्वारा 08 अक्टूबर 2025 को पूर्वान्ह 11:15 बजे जनपद में ब्लॉक राही सभागार में ''मिशन शक्ति'' के अंतर्गत पोषण पंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 03:30 बजे वन स्पॉट सेन्टर रायबरेली का निरीक्षण करेंगी।**

# लक्ष्मी आचार्य की प्रेरणादायक कहानी

## ओडिशा की धरती से चमकी सफलता की नई किरण

भुवनेश्वर। ओडिशा के एक छोटे से गाँव से आई साधारण सी लड़की लक्ष्मी आचार्य आज फैशन और ग्लैमर की दुनिया पति के सहयोग से लक्ष्मी ने मॉडलिंग की दुनिया में दोबारा कदम रखा और एक से बढ़कर एक फैशन शो, डांस परफॉर्मेंस

में बड़ा नाम बन चुकी हैं। बचपन से ही डांस और मॉडलिंग में रुचि रखने वाली लक्ष्मी ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को नहीं छोड़ा। लक्ष्मी की मेहनत और लगन का ही परिणाम था कि उन्होंने 'मिस ओडिशा' का खिताब अपने नाम किया।

इस मुकाम के बाद उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। विवाह के बाद वे चीन घर की बहू बनीं, लेकिन शादी के बाद भी उन्होंने अपने करियर को विराम नहीं दिया। परिवार और और ब्रांड शूट्स में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। आज लक्ष्मी आचार्य न केवल एक सफल मॉडल और डांसर हैं, बल्कि हजारों युवतियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

उनका मानना है कि - 'अगर इरादे मजबूत हों तो हालात कितने भी मुश्किल क्यों न हों, सफलता मिलकर रहती है।'

लक्ष्मी की यह कहानी साबित करती है कि सपने चाहे छोटे गाँव से शुरू हों, मंज़िल हमेशा बड़ी हो सकती है।

# मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम 03, 12 व 18 नम्बर को सामूहिक विवाह के शुभ लग्न की तिथियां व आयोजन स्थल निर्धारितःडीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने समस्त खण्ड विकास अधिकारी, अधिषाशी अधिकारी, नगर पालिका परिषद एवं समस्त नगर पंचायत से कहा है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु आवंतिट लक्ष्य के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु निदेशालय, समाज कल्याण लखनऊ के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह नवम्बर 2025 को सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजन की तिथियां निर्धारित की गई है जिसके अनुसार 03, 12, 18 नवम्बर से शुभ लग्न की तिथियां प्रारम्भ है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न कराने हेतु आयोजन स्थल एवं आयोजन की तिथियां निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि व आयोजन स्थल के अनुसार 03 नवम्बर को विकास खण्ड व नगर पंचायत- हरचन्दपुर, सतांव, खीरों, लालगंज, सरेनी, बछरावां, शिवगढ़, महराजगंज के लाभार्थी जोड़ो के लिए सामूहिक विवाह आयोजन स्थल- गन्ना कांटा मैदान सतावं रायबरेली निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार 12 नवम्बर को विकास खण्ड व नगर पंचायत- सलोन, छतोह, डीह, नं0पं0 नसीराबाद एवं परशदेपुर के लाभार्थी जोड़ों हेतु सामूहिक विवाह आयोजन स्थल- मिनी स्टेडियम, सलोन रायबरेली निर्धारित किया गया है। 18 नवम्बर को विकास खण्ड व नगर पंचायत- राही, अमावां, डलमऊ, दीनशाहगौरा, ऊँचाहार, जगतपुर, रोहनिया और नगर पालिका परिषद रायबरेली के लाभार्थी जोड़ों हेतु सामूहिक विवाह आयोजन स्थल- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि सामूहिक विवाह योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के साथ ही वेबसाइट https://cmsvy.upsdc.gov.in पर पात्र लाभार्थी जोड़ों का ऑनलाइन पंजीकरण कराते हुए आवंटित लक्ष्य के अनुरूप सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जोड़ों को सम्मिलित कराकर योजना से लाभान्वित करायें।

# मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को आत्मविश्वास व समाज में अपनी भूमिका निभाने के लिए किया जा रहा जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार जनपद में चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज 5.0' अभियान के तहत महिला कल्याण विभाग, बाल विकास परियोजना एवं मिशन शक्ति अधिकारियों के सहयोग से स्वैच्छिक संस्था गांधी सेवा निकेतन (बाल गृह बालिका) एवं जनपद के विभिन्न विद्यालयों में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बालिकाओं को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, साथ ही शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी जेंडर सेंसिटिविटी एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित किए गए कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, आत्मरक्षा और शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में छात्राओं

को आत्मविश्वास और जागरूकता के साथ समाज में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। छात्राओ को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रति छात्राओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के साथ साथ नारी स्वास्थ्य एवं नारी सुरक्षा व सशक्तिकरण संबंधित कई विषयों पर जागरूक किया गया। छात्राओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों को विस्तार से बताया और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के प्रति प्रेरित किया। साथ ही कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन बाल सेवा योजना, विकलांग पेंशन, मातृत्व वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना व राष्ट्रीय कृत टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1098. 181, 1930, 112, 1090 आदि के प्रति जागरूक करते हुए पम्पलेट वितरण की गई। इस अवसर पर संरक्षण अधिकारी वीरेन्द्र पाल, जेंडर स्पेशलिस्ट सुषमा कश्यप, श्रद्धा सिंह, एस0एस0 पाण्डेय उपस्थित रहे।

# उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा 2025 के सकुशल संपादन हेतु बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 12 अक्टूबर को आयोजित की जाने वाली पीसीएस (प्रारंभिक) परीक्षा-2025 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं जैसे परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पेपर की गोपनीयता, पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, बिजली, पेयजल, स्वच्छता व चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि

आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप सभी तैयारियाँ समय से पूर्ण कर ली जाएँ ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर उन्होंने ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए तथा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार की भीड़ या अवांछनीय गतिविधि न होने दी जाए। बैठक में समन्वय पर्यवेक्षक संजय कुमार द्वारा उ0 प्र0 लोक सेवा आयोग गाइडलाइन की विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में एडीएम (न्यायिक) विशाल यादव, एडीएम (एफ/आर) अमृता सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी डॉ भावना श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार वर्मा, सीओ सिटी अरुण कुमार नौहवार,जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव सिंह, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।



# कंप्यूटर संचालक और प्रोग्रामिंग सहायक (COPA) केशल के महत्वपर कॉमिक्स




नेंनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

# ऑपरेशन के समय पेट में छूट गया था धागा,डिप्टी सीएम से हुई शिकायत,लापरवाही की जांच करेगी कमेटी

प्रयागराज। 5 अक्टूबर को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। यहां श्रीश पांडेय अपने 9 साल की बेटी आराध्या को लेकर उनके सामने पहुंचे थे। प्राइवेट अस्पताल में बेटी के ऑपरेशन में लापरवाही की शिकायत की थी। इस पर ब्रजेश पाठक ने मौके पर मौजूद प्रभारी सीएमओ डॉ. आरसी पांडेय को इस मामले की जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद सोमवार को सीएमओ की ओर से तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी गई। शिकायतकर्ता श्रीश पांडेय ने इस संबंध में पूरी लिखित शिकायत की है। दरअसल प्रतापगढ़ के रहने वाले श्रीश पांडेय एजी आफिसर में ऑडिटर हैं। उन्होंने सीएमओ से शिकायत में बताया कि 9 साल की बेटी के पेट में ज्यादा दर्द हुआ। 30 अगस्त को ट्रैफिक चौराहा स्थित प्राइवेट अस्पताल जेपी मेमोरियल हास्पिटल में पहुंचे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-

Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

## जनसरोकारों के प्रतीक- विश्वास स्वरूप अग्रवाल कैंसर पीड़ित पत्रकार की मदद को बढ़ाया हाथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजसेवा और जनहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने के प्रति उनके समर्पण की मिसाल है। विश्वास स्वरूप अग्रवाल पिछले कई वर्षों से समाज के

वाले उत्तर प्रदेश के प्रख्यात उद्योगपति विश्वास स्वरूप अग्रवाल हमेशा अपने कर्मों से यह साबित करते हैं कि संवेदना और सेवा ही सच्चे विकास का आधार हैं। हाल ही में उन्होंने छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार अजय कुमार पाण्डेय के कैंसर उपचार के लिए 4 लाख रुपए की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। उनके इस सहयोग से वाराणसी स्थित टाटा इंस्टीट्यूट में अजय का सफल ऑपरेशन संभव हो सका। यह केवल मदद नहीं बल्कि मानवता हर वर्ग के लिए विकास और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते आ रहे हैं। लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल के आग्रह पर उन्होंने 35 लाख रुपए की लागत से 5 पार्कों में ओपन जिम स्थापित कराए जिससे बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति नई जागरूकता आई है। इसके पहले उन्होंने केजीएमयू के ब्लड बैंक के लिए 70 लाख रुपए की सहायता दी थी, जिससे गंभीर मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने में काफी मदद मिली। अयोध्या धाम के मिल्कीपुर क्षेत्र में उन्होंने 8 लाख रुपए की लागत से 25 सोलर लाइटें लगवाईं, जिससे अब वहां की गलियां रोशनी से जगमगा रही हैं और अंधेरे में होने वाले अपराधों पर भी रोक लगी है। इसी क्रम में हाल ही में उन्होंने लोकबंधु हॉस्पिटल (एलडीए कॉलोनी, लखनऊ) को इको 2डी मशीन हेतु 10 लाख रुपए की सहायता दी है। अब हृदय रोगियों को जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। विश्वास स्वरूप अग्रवाल का मानना है, 'समाज को लौटाना ही सफलता का सबसे बड़ा पुरस्कार है। जब तक दूसरों के चेहरे पर मुस्कान नहीं लाते, तब तक अपनी सफलता अधूरी है। उनके ये कार्य साबित करते हैं कि जब संवेदनशील नेतृत्व और सामाजिक प्रतिबद्धता एक साथ चलते हैं, तब एक बेहतर समाज की दिशा में ठोस कदम उठाते हैं। विश्वास स्वरूप अग्रवाल का मानना है, 'समाज को लौटाना ही सफलता का सबसे बड़ा पुरस्कार है। जब तक दूसरों के चेहरे पर मुस्कान नहीं लाते, तब तक अपनी सफलता अधूरी है। उनके ये कार्य साबित करते हैं कि जब संवेदनशील नेतृत्व और सामाजिक प्रतिबद्धता एक साथ चलते हैं, तब एक बेहतर समाज की दिशा में ठोस कदम उठाते हैं।

## चौथे दिन की श्री राम कथा में भगवान श्रीराम की बाल लीला एवं अहिल्या उद्धार का बर्णन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोमवार को सेक्टर 82

स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 12 में आयोजित श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने भगवान राम की बाल लीलाओं , विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। विश्वामित्र जी वन में यज्ञ करते हैं लेकिन राक्षस उनके यज्ञ में बाधा डालकर उसको पूर्ण नहीं होने देते हैं । विश्वामित्र जी ध्यानस्थ होकर देखते है तो उन्हें पता चलता है कि दशरथ पुत्र राम स्वयं विष्णु अवतार हैं और उनके बिना राक्षसों का संघार नहीं हो सकता है। दशरथ जी से राम ,लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा के लिए मांगते है। भगवान राम रास्ते में तड़का जैसी भयंकर राक्षसी का वध कर देते हैं साथ ही अन्य राक्षसों का वध कर यज्ञ को पूर्ण करवाते हैं। मुनि विश्वामित्र के साथ जाते समय रास्ते में गौतम ऋषि के श्राप वश पाषाण शिला बनी अहिल्या का अपनी चरण रज से उद्धार करते हैं। इसके बाद जनकपुर में विश्वामित्र जी के साथ आगमन होता है.श्रीराम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि कल की कथा में धनुष यज्ञ, लक्ष्मण परशुराम संवाद, राम जानकी विवाह आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर तमाम सेक्टरवासी भक्तगण मौजूद रहें।

## आधुनिक समाचार द्वारा करवाचौथ कार्यक्रम का आयोजन

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। आधुनिक समाचार द्वारा करवाचौथ के शुभ अवसर पर 08 अक्टूबर 2025 को शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में 'करवा क्वीन' का खिताब चुना जाएगा तथा दो रनरअप प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का समन्वयन इवेंट कोऑर्डिनेटर श्रीमती श्वेता साहू द्वारा किया जा रहा है, यह आयोजन महिलाओं की सृजनात्मकता, परंपरा और आधुनिकता के संगम को प्रदर्शित करेगा।**

## राहुल बोले-रायबरेली में इंसान नहीं, संविधान की हत्याःभीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण; दलित युवक की पीटकर हत्या

रायबरेली। रायबरेली में मॉब लिंचिंग को लेकर राहुल गांधी ने

कहा- दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या केवल एक इंसान की नहीं, बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। देश में नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। राहुल ने मंगलवार को एक्स पर लिखा- संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है, इंसाफ की जगह डर ने। लेकिन यह देश संविधान से चलेगा, भीड़ की सनक से नहीं। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है। मैं परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। दरअसल, 2 अक्टूबर को हरिओम पासवान की हत्या हुई थी। शुरू में कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं। इस मामले में लापरवाही करने पर ऊंचाहार थाना अध्यक्ष संजय कुमार समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार रात राहुल ने परिवार से फोन पर बात की थी। कहा था- परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है। इस मामले में राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ साझा लेटर भी लिखा है। जिसे दोनों नेताओं ने एक्स पर शेयर किया। इसमें लिखा है, 'रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम और क्रूर हत्या की कांग्रेस पार्टी कड़ी से कड़ी निंदा करती है। हमारे देश में एक संविधान है, जो हर इंसान को समानता के भाव से पहचानता है। एक कानून है, जो हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और उसकी अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। जो रायबरेली में हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है। दलित समुदाय के प्रति अपराध है। इस देश और समाज पर कलंक है।' हलाकि हरिओम की पत्नी पिंकी के मुताबिक, पति मानसिक रूप से कमजोर था। रायबरेली में मुझसे मिलने आ रहा था। पिंकी, ऊंचाहार में एनटीपीसी परिसर में पंजाब नेशनल बैंक में सफाई कर्मचारी है। गेट नंबर-2 के सामने पिंकी का मायका है। इस समय वो मायके में रह रही थी।

## महर्षि वाल्मीकि जयंती पर संकट मोचन धाम में भव्य अखण्ड रामायण पाठ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर नगर क्षेत्र स्थित संकट मोचन धाम मंदिर में भव्य अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंडली द्वारा मधुर स्वर में अखण्ड रामायण पाठ का वादन किया गया, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया। मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भगवान श्रीराम, माता सीता एवं महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमाओं का पूजन-अर्चन कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से रामायण पाठ में सहभागिता की। कार्यक्रम में नगर मजिस्ट्रेट रामावतार वर्मा, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं नगरवासी उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात करने और समाज में सद्भाव एवं ज्ञान के प्रसार का संकल्प लिया।

## नोएडा में सजेगा दिवाली का भव्य मेला, लोक कला,हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों से सजेगा नोएडा स्टेडियम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रौशनी के त्यौहार दिवाली के पावन अवसर पर नोएडा स्टेडियम में दस दिवसीय

ग्रैंड दिवाली एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन 'आर्ट एण्ड क्राफ्ट विकास संस्थान' के द्वारा किया जा रहा है ,मंगलवार को नोएडा मीडिया क्लब में आयोजन समिति द्वारा प्रेसवार्ता कर दिवाली एक्सपो के बारे में जानकारी दी। संस्थान के सचिव राजकुमार कश्यप ने जानकारी देते हुए बताया की आगामी दस अक्टूबर से बीस अक्टूबर तक सेक्टर 21 ए स्थित नोएडा स्टेडियम में ग्रैंड दिवाली एक्सपो 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन 11 अक्टूबर 2025 को नरेन्द्र कुमार कश्यप, राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया जायेगा। इस प्रदर्शनी में शहरवासियों को शिल्पकला, व्यंजनों एवं संस्कृति को एक ही स्थान पर देखने का अवसर मिलेगा। इस प्रदर्शनी में भारत के सभी प्रान्तों से 250 से भी अधिक सिद्धहस्त हस्तशिल्पी, बुनकर एवं उद्यमी भाग ले रहे हैं। जो अपने उत्कृष्ट एवं मनमोहक उत्पादों की बिक्री एवं उनका प्रदर्शन करेंगे। जहाँ कलकत्ता एवं बनारस की साड़ियाँ, भदोही का कारपेट, लखनऊ के चिकन की ड्रेसेस, सहारनपुर का फर्नीचर, खुर्जा की ब्लू आर्ट पोटरी, आगरा का मारवल, राजस्थानी जूतियाँ, हैदराबाद एवं उड़ीसा के रियल पर्ल, घरों एवं पार्कों को सजाने के लिए सजावटी आईटम, टेराकोटा एवं बेडशीट आदि अन्य सैकड़ों उत्पाद की बिक्री एवं प्रदर्शन करेंगे। जो मार्केट से काफी कम मूल्य पर उपलब्ध रहेंगे। लोक कलाकर दिखाएंगे अपनी कला- दिल्ली टूरिज़्म विभाग से रिटायर्ड अधिकारी और आयोजक रंजना चितकारा ने जानकारी देते हुए बताया की इस प्रदर्शनी में देश के अलग अलग राज्यों के लोक कलाकार भी अपनी कलाओं का प्रदर्शन करेंगे ,जिसमें नार्थ ईस्ट का लॉयन डांस,राजस्थानी,पंजाबी ,हरयाणवी ,गुजराती ,जम्मू कश्मीर ,उत्तराखंड , महाराष्ट्र और ओडिसा आदि राज्यों के लोक कलाकार अपने लोक नृत्य का प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक व्यंजनो का ले सकेंगे शहरवासी स्वाद - अविकेश वर्मा ने बताया की इस प्रदर्शनी में भव्य फूड कोर्ट भी होगा जिसमें भारत के अलग अलग प्रांतो के अनेक प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन भी होंगे, जिनका शहरवासी लुत्फ उठा सकेंगे। कई स्वादिष्ट व्यंजन ऐसे होंगे जो जिनका स्वाद चखने का अवसर मिलेगा। इस प्रकार इस प्रदर्शनी में पूरे परिवार के लिए शॉपिंग, मनोरंजन एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का एक ही स्थान पर संगम होगा। 'आर्ट एण्ड क्राफ्ट विकास संस्थान' पिछले 30 वर्ष से भारत के अनेक महानगरों, मुम्बई, दिल्ली, कलकत्ता, भुवनेश्वर, हैदराबाद, नासिक आदि शहरों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है। ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से वंचित ऐसे हुनरमंद व्यक्तियों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बिक्री करने का मौका मिलता है जिससे उनकी आय सर्जन होती है जो परिवार की तरक्की में मदद करने में सहायक होती है।

## सपा नोएडा महानगर ने मनाई महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 53

स्थित सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय पर सपा नोएडा महानगर द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने की जबकि संचालन महानगर महासचिव विकास यादव ने किया। सभी लोगों ने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर के नमन किया। सभी ने एक स्वर में महर्षि वाल्मीकि के दिखाएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि मनुष्य अपने कर्म और संकल्प से स्वयं को बदल सकता है। महर्षि वाल्मीकि संस्कृत के महान कवि और रामायण के रचयिता थे। उन्हें आदिकवि के रूप में जाना जाता है। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी ने कहा की महर्षि वाल्मीकि जी की रचना बाल्मीकि रामायण एक ऐसा महाकाव्य है जो भगवान राम की जीवन के माध्यम से सत्य धर्म और कर्तव्य पालन का संदेश देता है। मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव व अंबेडकर वाहिनी के अध्यक्ष हरपाल सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन हमें यह सिखाता है कि आज के कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में सुनील चौधरी, विकास यादव, वीरपाल प्रधान, रामवीर यादव, गौरव कुमार यादव, महकार तंवर, राणा मुखर्जी ,अनिल पाल ,पिंटू यादव ,टीटू यादव, लोकेश यादव, राम सहेली ,रेखा ,कृष्ण कुमार, आसिफ अंसारी ,प्रहलाद, रवि कुमार, कमल सिंह गौतम, कृपा शंकर यादव, प्रेम सिंह, हरपाल सिंह, सतपाल सिंह ,मोहित यादव, अली शेर, नजाकत अली ,पूरण प्रधान , सिकंदर पासवान। मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

## ममेरे भाई को गोली मारी, फिर फरसे से गला काटा,अपने माथे पर तिलक लगाकर शव के पास बैठा,परिजन बोले- नरबलि दी

अलीगढ़। अलीगढ़ में एक युवक ने मंगलवार सुबह अपने 32 साल के ममेरे भाई की हत्या कर दी।

विजयगढ़ क्षेत्र के भटोली गांव का रहने वाला था। वह 6 अक्टूबर यानी सोमवार की रात को अपने फुफेरे भाई बंटी के घर रहसोपुर गांव आया था। वह पहले भी अक्सर यहां आता-जाता रहता था।मंगलवार की सुबह किसी बात को लेकर दोनों भाइयों में कहासुनी होने लगी। गुस्साए बंटी ने देवराज को गोली मार दी, इससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। उसने भाई के सीने में दो गोली मारी। इसके बाद फरसे से उसकी गर्दन काट दी। परिजन बेटे को खोजते हुए मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि युवक का शव चारपाई पर पड़ा हुआ था और आरोपी नहा धोकर शव के पास बैठा था। उसने अपने माथे पर तिलक लगा रखा था। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद आरोपी भागा नहीं था। गुमसुम बैठा था। मृतक युवक के परिजनों का आरोप है कि उनके रिश्तेदार ने नरबलि दी है। घटना हरदुआगंज थाना क्षेत्र के गांव रहासोपुर की है। पुलिस तंत्र-मंत्र के अलावा अफेयर के एंगल पर भी जांच कर रही है। फोरेंसिक टीम ने क्राइम स्पॉट को सील कर दिया है। साक्ष्य जुटाए हैं। आरोपी से पूछताछ चल रही है, लेकिन उसने अभी तक किसी भी सवाल के जवाब नहीं दिए हैं। वह गुमसुम ही है। देवराज सिंह (32) थाना इसके बाद आरोपी ने फरसा उठाकर देवराज पर कई वार किए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी बंटी वहीं लाश के पास नहा धोकर तिलक लगाकर बैठ गया। मृतक के पिता हरपाल सिंह ने बताया- उनका सगा भांजा बंटी नजदीक में ही रहता है। सोमवार को बंटी ने उनके बेटे देवराज को अपने पास बुलाया था। उन्होंने बताया कि रिश्तेदार होने के नाते अक्सर आना जाना लगा रहता था। जिसके बाद रात में देवराज घर नहीं लौटा। परिजन भी बेफिक्र थे। उन्होंने सोचा कि वह बंटी के घर पर ही होगा। लेकिन सुबह भी जब देवराज घर नहीं लौटा, तो परिवार के लोगों ने बंटी के घर उसे बुलाने पहुंच गए। परिवार के लोगों ने देखा कि देवराज का शव चारपाई पर पड़ा हुआ है और आसपास पूरा खून बिखरा हुआ है।

## श्री राम कथा में राम -जानकी विवाह का सुन्दर वर्णन हुआ, हरि सुमिरन में ही जीवन की सार्थकता है - स्वामी पंचमानंद जी महाराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 12 में आयोजित श्रीराम कथा के पांचवें दिन कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने श्रीराम सीता विवाह, लक्ष्मण परशुराम संवाद आदि प्रसंगो जनकपुरी पहुंचने पर मुनि समेत दोनों भाइयों का जनक जी द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया जाता है। जनक जी अपनी प्रतिज्ञा से सभी को अवगत कराते हैं कि जो भी शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ जानकी का विवाह होगा। जनक जी का प्रण सुनकर देश देशांतर के बलशाली राजा आए लेकिन तमाम कोशिश के बाद भी धनुष नहीं तोड़ पाए । गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान राम ने धनुष उठा लिया। भगवान राम के छूते ही धनुष टूट गया और जानकी जी ने राम जी के गले में वरमाला डाल देती हैं। देवता ऊपर से पुष्प वर्षा करते हैं और चारों ओर खुशियां छा जाती हैं। श्री राम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 8 अक्टूबर

को राम राज्याभिषेक की तैयारी, राम वनवास, केवट संवाद आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, मुकेश शुक्ला, सी के शर्मा, विनय त्रिवेदी, महेंद्र शर्मा, जेपी मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह, प्रमोद दीक्षित, शिव कुमार पाठक, राजीव श्रीवास्तव, प्रवेश सिंह, अंकित शर्मा, कृष्णा दूबे, अरविंद परिहार, रवि राघव,संजय पांडेय, हरि शंकर सिंह,ब्रिजेन्द्र सिंह रमेश वर्मा, हंसमणि शुक्ला, विकास शर्मा, रमेश दास,सी.एल. तिवारी, ब्रिज तिवारी, प्रणव साहूकार, मनोज तिवारी, मनोज यादव, विजय सचान, आलोक तिवारी, सुरेंद्र यादव, दीपक शुक्ला,के. एन. पाठक,पुरूषोत्तम चौधरी,अशोक गोला, ,सुमित ओझा, अंकित उपाध्याय, सोनू चौधरी, रंजन गिरि, दीपक श्रीवास्तव, श्याम मौर्य, अशोक तिवारी, विनोद चौहान, ,एल. के. मिश्रा, राकेश जी, सत्यमानी त्रिपाठी, अखिलेश कुमार ठाकुर,यशवंत मिश्रा ,सोनू चौधरी, आशुतोष मिश्रा, कौशल झा, अशोक गोला, रविंद्र सिंह, प्रेम प्रकाश शुक्ला, रंजीत तिवारी, मनीष गोयल,विश्वनाथ चौरसिया ,संतोष कनौजिया,दयाशंकर मिश्रा,राजेश महाले, प्रमोद सारथी ,राजीव श्रीवास्तव , कृपाल सिंह, यादव, खेम चंद्र, कहर सिंह, सुखवीर, चौधरी, नाथूराम शर्मा, सतवीर सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

## संगठित एवं असंगठित कर्मचारियों की भविष्यनिधि में होने बाली समस्याओ के निराकरण के लिए केंद्र सरकार ने सकारात्मक पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों तथा मजदूरों की भविष्यनिधि में होने बाली समस्याओ के निराकरण के लिए केंद्र सरकार ने सकारात्मक पहल के तहत एक कार्यक्रम की शुरुआत की है।इस कार्यक्रम को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन आपके निकट नाम दिया गया है।इसी के अंतर्गत सहायक कर्मचारी भविष्य निधि आयुक्त शिवानी गरिमा सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन में बैठक

हुई। बैठक में कर्मचारी संगठनों, सेवयोजकों और लाभार्थियों ने भाग लिया।सम्बंधित पक्ष की शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।बैठक का संयोजन प्रवर्तन अधिकारी महेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। बैठक में लाभर्थी कर्मचारियों के साथ श्रमिक संगठन इंटक से डी. एस. मिश्रा, एच. एम. एस. से अरविन्द राठौर, बी. एम. एस. से आर. डी. सिंह, विशाखा ऐसवेस्टस से संतोष शुक्ला, मोदी पब्लिक स्कूल से संजय श्रीवास्तव, एन. एस. पी. एस. से गिरीश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

## सीडीओ ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान रैली को दिखाई हरी झण्डी, संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 से 31 तक दस्तक चलाया जाएगा अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के प्रांगण से संचारी अभियान की रैली को मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किये। रैली के माध्यम से नगरवासियों को स्वच्छता, रोग मुक्त जीवन, स्वास्थ्य पर्यावरण, स्वस्थ्य जीवन बुखार आने पर क्या करे क्या ना करें, का संदेश लेकर आशा, आंगनबाड़ी, नर्सिंग छात्र एवं सफाई कर्मियों ने नगर का भ्रमण किया। मलेरिया - डेंगू डायरिया जैसी जानलेवा बीमारियों से बचाव एवं जागरूकता के उद्देश्य से 05 अक्टूबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक दस्तक अभियान जनपद में चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अश्वनी कुमार ने बताया कि संचारी अभियान के अंतर्गत 11 विभाग आपसी समन्वय के द्वारा कार्य करेगे। जबकि दस्तक अभियान में आशा एवं आंगनबाड़ी बहुएँ घर-घर जाकर बुखार, क्षय, मलेरिया, फाइलेरिया रोगियों कुपोषित बच्चों एवं मच्छर प्रजनन स्थल वाले घरों की सूची बनाएँगी। अभियान में जिला कार्यकम अधिकारी आई0सी0डी0एस0 समस्त अपर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार समस्त कर्मचारी नगर पालिका परिषद रावर्टसगंज साई नर्सिंग कालेज के छात्र-छात्राएँ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के अधिकारी ध् कर्मचारी धर्मेन्द्र नारायण श्रीवास्तव, आर0के0 सिंह, अनिल दूबे, कुमार शुभम, देवाशीष पाण्डेय, मनोज, पुष्पेन्द्र, सभाजीत प्रसाद इत्यादि समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

## डाकू से महाकाव्य के रचयिता बने महर्षि वाल्मीकिः अजीत रावत, आर एस एम इंटर कॉलेज में मनाया गया महर्षि वाल्मीकि जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर स्थित राजा शारदा इंटरमीडिएट कॉलेज प्रसार में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर गोष्ठी का किया गया आयोजन अतिथियों द्वारा चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन पर डाला गया प्रकाश। वहीं कार्यक्रम के आयोजक अनुसूचित मोर्चा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत के नेतृत्व में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस दौरान मौजूद पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक मिश्रा, डॉक्टर धर्मवीर तिवारी, अजीत चौबे आदि अतिथियों ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए बताया कि रामायण महाकाव्य की रचना से संबंधित कथा के अनुसार, एक बार एक शिकारी ने प्रेम में मग्न क्रोंच पक्षी की हत्या कर दी। इसपर वाल्मिकी जी ने उस शिकारी को यह श्राप दिया कि 'हे निषाद, तुम्हें कभी शांति न मिले, क्योंकि तुमने क्रौंच पक्षी के जोड़े में से एक को मार डाला'। यह श्राप ही रामायण का पहला श्लोक बना। तब ब्रह्मा जी प्रकट हुए और उन्होंने वाल्मीकि जी को काव्य के रूप में भगवान श्रीराम के संपूर्ण के चरित्र की रचना के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्य की रचना की। इसके उपरांत मौजूद सैकड़ो के संख्या में लोगों द्वारा सहभोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बाल्मीकि जयंती पर आए सभी व्यक्तियों को प्रसाद खिलाकर उनके जीवन पर आधारित विचारों के अनुसार चलने को संकल्प दिलाया गया इस मौके पर शहर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, अनुपम त्रिपाठी ,ध्रुव कांत द्विवेदी, आलोक रावत, अशोक भारती, संजय पासवान, संतोष भारती, आशा रावत, रजनीश रघुवंशी, सुनीता भारती।

## रामायण में नारीशक्ति की प्रासंगिकता ही प्रधान- पंडित पारसनाथ मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर पालिका परिषद के सभागार में रामायण में नारीशक्ति के प्रासंगिकता एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय संचेतना समिति सोनभद्र द्वारा संपन्न। समिति ने अपनी परम्परानुसार ऋषि सम्मान2025 साहित्य भूषण डाक्टर अर्जुन दास केसरी को दिया। तत्तपश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पंडित पारसनाथ मिश्र ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रामकथा के सभी पात्र भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को महिमा प्रदान करते दिखाई देते हैं । विशेष रूप से नारी पात्र अपनी विशिष्टता लिए हुए हैं । उनमें भारतीय मूल्यों के प्रति असीम आस्था है, त्याग की प्रतिमूर्तियाँ हैं, आदर्श पतिव्रता हैं, विवेकवान् समर्पणशीला हैं, कर्तव्यपरायण व युग-धर्म की रक्षिका भी हैं । समय आने पर अपनी श्रेष्ठता श्री सिद्ध करती हैं । सम्पूर्ण कथानक को आदर्श मंडित करने नारी-पात्रों की विशेष भूमिका रही है । रामकथा में वर्णित पात्र हैं- सीता, कौशल्या, कैकेयी, उर्मिला, मन्दोदरी, माण्डवी, श्रुतिकीर्ति, सुमित्रा, मंथरा, शूर्पणखा, शबरी आदि ।ये नारी पात्र इतने भव्य-रूप में चित्रित हुए हैं कि पुरूष भी उन्हीं के पथ का अनुसरण करते हैं । सीता के आदर्श से प्रभावित लक्ष्मण कहते हैं-'नारी के जिस भव्य भाव का, स्वाभिमान भाषी हूँ मैं ।उसे नरों में भी पाने का, उत्सुक अभिलाषी हूँ मैं ।। मुख्य अतिथि डाक्टर लखन राम जंगली ने कहा कि सीता- रामकाव्य परम्परा के अंतर्गत सीता भारतीय नारी-भावना का चरमोत्कृष्ट निदर्शन है, जहाँ नाना पुराण निगमागमों में व्यक्त नारी आदर्श सप्राण एवं जीवन्त हो उठे हैं। नारी पात्रों में सीता ही सार्वाधिक, विनयशीला, लज्जाशीला, संयमशीला, सहिष्णु और पतिव्रत की दीप्ति से दैदीप्यमान नारी हैं।समूचा रामकाव्य उसके तप, त्याग एवं बलिदान के मंगल कुंकुम से जगमगा उठा है । लंका में सीता को पहचानकर उनके व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए हनुमान जी ने कहा-'दुष्करं कृतवान् रामो हीनो यदनया प्रभुः धारयत्यात्मनो देहं न शोकेनावसीदति। यदि नामः समुद्रान्तां मेदिनीं परिवर्तयेत् अस्थाः कृते जगच्चापि युक्त मित्येव मे मतिः।अर्थात् ऐसी सीता के बिना जीवित रहकर राम ने सचमुच ही बड़ा दुष्कर कार्य किया है। इनके लिए यदि राम समुद्र-पर्यन्त पृथ्वी को पलट दें तो भी मेरी समझ में उचित ही होगा, त्रैलौक्य का राज्य सीता की एक कला के बराबर भी नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हुए करते हुए रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद ने कहा कि पत्नी व पति भारतीय संस्कृति में एक-दूसरे के पूरक हैं। आदर्श पत्नी का चरित्र हमें जगद्धा जानकी के चरित्र में तब तक दृष्टि-गोचर होता है, जब श्रीराम द्वारा वन में साथ न चलने की प्रेरणा करने पर अपना अंतिम निर्णय इन शब्दों में कह देती है।प्राणनाथ तुम्ह बिनु जग माहीं । मो कहुँ सुखद कतहुँ कछु नाहीं। जिय बिन देह नदी बिनु बारी । तैसिअ नाथ पुरूष बिनु नारी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जगदीश पंथी ने कहा कि सिथिल सनेहुँ कहै कोसिला सुमित्रा जू सौं, मैं न लखि सौंति, सखी! भगिनी ज्यों सेई हैं ।इस प्रकार कौशल्या मातृत्व की जीवन्त प्रतिमा है । दया, माया, ममता की मन्दाकिनी है। तप, त्याग, एवं बलिदान की अकथ कथा है ।15 वह राम तथा भरत में भेद नहीं समझती । पति व राम से स्नेह रखती है, पर राम के वन-गमन पर मौन रहकर अपने कर्तव्य का निर्वहन भी करती है । पति की मृत्यु के उपरान्त वह सती होने का प्रस्ताव भी रखती है । उसमें शील है, उदात्तता है, मातृत्व की व्यंजना है तो नारी सुलभ संवेदना भी है ।'वाल्मीकि की कैकेयी व्याध का क्रूर बाण है, 'मानस' की कैकेयी सरस्वती का शापमय वाहन है, लेकिन 'साकेत' की कैकेयी ममतामयी माता है, जिसमें मानवीय मूल्यों के प्रति गहरा राग है। कार्यक्रम में गुप्त काशी विकास परिषद उत्तर प्रदेश, कमला शिक्षण सेवा संस्थान लखनऊ उत्तर प्रदेश की भी रही सहभागिता। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष रमेश देव पांडे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग बौद्धिक प्रमुख धनंजय पाठक, गुप्त काशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी,जिला सूचना अधिकारी विनय सिंह, गोपाल सिंह, अनूप मिश्रा, अनुपमा वाणी, नरेंद्र नीरव, डॉ कुसमाकर श्रीवास्तव,ईश्वर वीरागी,किशोरी जी,चंद्र प्रकाश दुबे, अजय चतुर्वेदी कक्का,राकेश शरण मिश्रा,मनोज चौबे,अमन बर्मा,राजेंद्र भारती,अब्दुल हई,दीपक केसरवनी,प्रकाश मिर्जापुरी आदि लोग उपस्थित रहे।

## आने वाली पीढी को शुद्ध वातावरण देना हम सबकी जिम्मेदारी ही नहीं जबाबदारी हैः संदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र के सदर ब्लॉक के तरावा (बड़का गाँव) में 'पेड़ हैं तो प्राण हैं' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। इसी दौरान अभियान के संयोजक संदीप मिश्रा ने कार्यक्रम में भगवान परशुराम जी का दर्शन कर कहा की आने वाली पिढी को शुद्ध वातावरण देना हम सब की जिम्मेदारी नहीं अपितु जबाबदारी है। और लोगों को अपने घर के आस पास अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया साथ ही परिवार की एकता कैसे बनी रहे इस पर चर्चा हुई और कुटुंब प्रबोधन जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। कि अधिक से अधिक पेड़ लगाया जाय। उपस्थित सभी लोगों को पौधे वितरित किए और उन्हें पेड़ लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया। इस मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

## संगठन बूथ स्तर तक मजबूत हो चुका हैः दिनेश बीयार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपना दल एस सोनभद्र जिले की मासिक बैठक जिला कार्यालय, छपका रॉबर्ट्सगंज में जिलाध्यक्ष अंजनी पटेल के अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का सफल संचालन जिला महासचिव राजकुमार बौद्ध ने किया। मासिक बैठक में चिकित्सा मंच का प्रभारी जिला उपाध्यक्ष विनोद यादव को व बौद्धिक मंच का प्रभारी जिला कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को बनाया गया। बैठक में मुख्यातिथि दिनेश बीयार राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, विशिष्ट अतिथि आनंद पटेल दयालु का.प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच व महताब आलम प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक मंचउपस्थित रहे। मासिक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि ने कहा कि, संगठन सर्वोपरि होता है, जनपद सोनभद्र में समस्त जिला पंचायत क्षेत्र के चुनाव 2026 को मजबूती से लड़ने के लिए पार्टी के नीतियों को जन जन तक पहुंचाना होगा। वहीं विशिष्ट अतिथि गणों ने कहा कि संगठन विस्तार हेतु सभी पदाधिकारियों को मिलकर काम करना होगा। अपना दल एस राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किए गए कार्यों को जन जन तक पहुंचाना होगा। मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष ने कहा कि, हमारे पार्टी का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत हो चुका है, आने वाले पंचायत चुनाव में सभी पंचायती सीटों पर पार्टी के पदाधिकारियों को बड़े ही मजबूती के साथ चुनाव लड़ाएगी, और अधिक अधिक सीटों पर विजय प्राप्त करेंगे। साथ अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि जिन पदाधिकारियों ने अच्छा काम किया है उनका पार्टी हमेशा सम्मान करती आई है और आगे भी करती रहेगी। मासिक बैठक में उपस्थित कृष्णकांत कुशवाहा, विजय पटेल, , रामधनी पटेल, सतीश पटेल , राकेश पटेल , पूर्व जिला मीडिया सचिव विकास पटेल, नंदू पटेल, हरिप्रसाद धांगर, सुनील सिंह अरुण पटेल, आजाद भाई पटेल, स्नेह लता पांडे, पुष्पराज पटेल आदि लोग मौजूद रहे।

## गोवा में उठाया राष्ट्रीय स्तर पर सिंगरौली क्षेत्र में प्रदूषण और स्वास्थ्य समस्या, आई आई टी कानपुर के जे टी आर सी के राष्ट्रीय कार्यशाला गोवा में दिखाया सोनभद्र में विकास के पीछे का सच

### सिंगरौली-सोनभद्रः ऊर्जा की राजधानी अब बीमारियों की घाटी बनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सिंगरौली और सोनभद्र के दक्षिणांचल में औद्योगिक विकास के पीछे का सच मंगलवार को गोवा के इंटरनेशनल सेंटर हाल में आयोजित आई आई टी कानपुर के जेटीआरसी के दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में पर्यावरण कार्यकर्ता जगत भाई विश्वकर्मा और ए के गुप्ता ने संयुक्त रूप से उठाया और वीडियो और फोटो तथा शोध पत्र के जरिए राष्ट्रीय स्तर के मंच पर उठाए हुए बताया कि देश को रोशन करने वाला क्षेत्र आज खुद बीमारियों के अंधेरे में डूबता जा रहा है सिंगरौली-सोनभद्र, जहाँ हर साल 10.3 करोड़ टन कोयला जलता है, वहाँ से निकलती है 2.82 करोड़ टन राख। यहाँ से देश को मिलती है 21,500 मेगावॉट बिजली, पर इसी बिजली ने इस धरती की साँसें रोक दी हैं।करीब साढ़े तीन सौ उद्योगों के धुएँ और राख ने खेतों, जलस्रोतों और बस्तियों को ढक लिया है। कभी 'भारत का स्विट्जरलैंड' कहा जाने वाला यह इलाका अब देश का तीसरा सबसे प्रदूषित क्षेत्र बन गया है। बीमारियों का अड्डा बनते गाँव जिला अस्पताल रॉबर्ट्सगंज की रिपोर्ट में बताया गया है कि पाँच साल में श्वसन रोगियों में 30फीसदी तक वृद्धि हुई है।रेणुकूट और विंध्यनगर के स्वास्थ्य केंद्रों में अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और टीबी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।बनवासी सेवा आश्रम के सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि पी एम 2.5 और पी एम10 जैसे प्रदूषकों के कारण हाई ब्लड प्रेशर, हृदयाघात और स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं। कई मरीजों के बाल, नाखून और रक्त में मरकरी व सीसा की मौजूदगी मिली है। बच्चों में न्यूरोलॉजिकल विकार और महिलाओं में गर्भ संबंधी जटिलताएँ बढ़ रही हैं।ग्रामीण अंचलों में फ्लोराइड युक्त पानी पीने से हजारों लोग प्रभाविकता हो रहे है और सैकड़ों लोग दिव्यांग हो रहे है।गर्भपात,दिव्यागता, कैंसर ,पागल पन बढ़ रहा है। शुद्ध पानी और हवा और मिट्टी प्रदूषित होने से समस्या खड़ी हो रही है।45 फीसदी जंगल क्षेत्र वाले जिले में फलदार वृक्ष ,और लाख विलुप्त हो रहे है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने यहाँ के प्रदूषण पर कई बार सख्त टिप्पणियाँ की हैं। उसने औद्योगिक इकाइयों को उत्सर्जन नियंत्रण, फ्लाई ऐश निस्तारण और शुद्ध पेयजल आपूर्ति के निर्देश दिए। 'पोल्यूटर पे सिद्धांत' के तहत मुआवज़े की भी सिफारिश हुई। फिर भी ज़मीनी हकीकत यह है कि न प्रदूषण घटा, न लोगों का दर्द। 'जितनी जांचें हुईं, उतने ही आदेश आए – लेकिन कार्रवाई अधूरी रह गई,' स्थानीय लोग कहते हैं।उन्होंने रिहंद और सोन नदियों में औद्योगिक प्रदूषण रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाया और गाँव-गाँव जाकर जनजागरूकता फैलाई। उनके प्रयासों से कई गाँवों में शुद्ध पानी की आपूर्ति और प्रदूषण पर निगरानी की शुरुआत हुई। विशेषज्ञों की राय- स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अब यह इलाका जनस्वास्थ्य आपदा की स्थिति में है। वे सुझाव देते हैं– हर 2-3 वर्ष में वैज्ञानिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण हो। रियल-टाइम एक्यूआई और जल गुणवत्ता डेटा सार्वजनिक किया जाए। प्रदूषण प्रभावित इलाकों में विशेष चिकित्सा इकाइयाँ स्थापित की जाएँ। विकास की चमक के पीछे राख से ढकी ज़िंदगियाँ हैं। लोग कहते हैं'यहाँ अब हवा नहीं, राख साँसों में उतरती है।'अनपरा शक्तिनगर के बीच उड़ती धूल और राख, करोड़ों की सड़क गड्ढे में बदलना सच्चाई इंगित करता है। नेहरू के सपनों का स्विट्जरलैंड अब बीमारियों की घाटी में बदल गया है। आई आई टी कानपुर के पूर्व प्रो ए के शर्मा ने कहा कि सिंगरौली की समस्या को राजनैतिक मुद्दा भी बनाने की जरूरत है ।

## आदिवासी बनवासी वआर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए श्री राम पीजी कॉलेज कटिबद्ध...रंग बहादुर यादव बबलू

### महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ टॉप टेन सूची में शामिल होकर छात्रों ने बढ़ाया श्री राम पीजी कॉलेज का गौरव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र,। म्योरपुर ब्लाक अन्तर्गत रासपहरी स्थित श्री राम पीजी कॉलेज के छात्रों ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में टॉप टेन सूची में शामिल होकर कॉलेज का गौरव बढ़ाया है। एमए शिक्षाशास्त्र में विनोद कुमार पुत्र रामेश्वर प्रजापति रासपहरी ने 5 वी रैंक, एमए गृहविज्ञान में कुमारी स्वाती पुत्री सुरेंद्र कुमार देवरी ने 7वी रैंक और सरिता गुप्ता पुत्री कमला प्रसाद बीजपुर ने 9 वी रैंक लाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है उपरोक्त छात्रों को मंगलवार को विश्वविद्यालय में महामहिम राज्यपाल के कर कमलों द्वारा उपाधि प्रदान किया जाएगा। कॉलेज के प्रबन्धक रंगबहादुर यादव बबलू ने कहा कि यह महाविद्यालय निरंतर गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति दृढ़ संकल्पित है और आदिवासी, आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए कटिबद्ध हैं। कॉलेज के प्राचार्य राजेंद्र यादव ने कहा कि पिछले वर्ष भी बीए की छात्राओं द्वारा बेहतर परिणाम लाकर कॉलेज का मान सम्मान बढ़ाया था इस मौके पर महाविद्यालय के आजाद कुमार यादव, सुदामा प्रजापति, सन्त कुमार यादव, दयाशंकर,रिंकी सिंह मौजूद रहीं।

## आई.ई.ई.ई. दिवस पर राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र में इंस्टीट्यूट फॉर इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर के तत्वावधान में आईईईई दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें व्याख्यान के लिए अतिथि के रूप में डॉ. राजकुमार सैनी (यूनिवर्सिटी ऑफ स्वीडन) उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में उन्होंने कंप्यूटर मशीन इंटरफेस पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में डॉ.मृणालिनी श्रीवास्तव ने इंजीनियरिंग में छात्राओं व महिलाओं की प्रतिभागिता पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में कुल 115 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान आरडीनो और आईओटी पर एक हैंड्स-ऑन सत्र का आयोजन किया गया, जिसका संचालन आईईई स्टूडेंट ब्रांच द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. गीतम सिंह तोमर, जो आईईई मध्य प्रदेश सेक्शन के चेयरमैन हैं, ने व्यावसायिक जीवन में सामाजिक नेटवर्किंग के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को अपनी शत-प्रतिशत क्षमता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के संचालन में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. डीके त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक अमोद कुमार त्रिपाठी, कुल सचिव राजकुमार पटेल, डॉ. सिकंदर, डॉ.आशीष रंजन मिश्रा और डॉ. पी.के. वर्मा उपस्थित रहे। आई.ई.ई.ई. ब्रांच की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए स्टूडेंट ब्रांच काउंसलर प्रशांत पांडेय ने बताया कि 29 व 30 दिसंबर को एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आई.ई.ई.ई. स्टूडेंट ब्रांच के द्वारा समय-समय पर विभिन्न व्याख्यान तथा कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया और अपनी तकनीकी कौशल में सुधार किया। डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए निदेशक महोदय गीतम सिंह तोमर को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

## द हैप्पी सोल ग्रुप की ओर से ग्रैंड डांडिया नाइट का आयोजन 12 अक्टूबर को,ग्रैंड डांडिया नाइट सेलिब्रेशन की तैयारिया जोरो शोरों से चल रही है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ग्रैंड डांडिया नाइट में महिलाएं चनिया चोली और पुरुष कुर्ता पजामा के पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर डांडिया खेलते हुए नजर आएंगे। द हैप्पी सोल ग्रुप की ओर से 12 अक्टूबर की शाम 5:00 बजे से ग्रैंड डांडिया नाइट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी तैयारी जोरों शोरों से चल रही है। आयोजन समिति की सुषमा सिंह ने बताया कि ग्रैंड डांडिया नाइट 2.0 एवं करवा चौथ स्पेशल कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज स्थित सोन पैलेस में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें महिलाएं चनिया चोली और पुरुष कुर्ता पजामा के पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर डांडिया खेलते हुए नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इसमें डांस के साथ साथ लोग विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी लुत्फ उठा सकेंगे। आयोजिका सुषमा सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में लाइटिंगः और माउंड पर विशेष तरह का ध्यान दिया गया है साथ ही इसमें कई फेमस डीजे आर्टिस्ट भी पहुंचेंगे।आयोजन समिति में मुख्य रूप से संगठन की उपाध्यक्ष सुशीला सिंह महामंत्री, शशि बाला सिंह, मधु मौर्य, कीर्ति वर्मा, प्रीति सिंह, कोषाध्यक्ष निकिता गुप्ता है।

## जहरीले जंतु के काटने से युवती की हुई मौत, सदर कोतवाली क्षेत्र के कैथी गांव का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के कैथी गांव निवासी 19 वर्षी किशोरी बीते देर शाम घर में साफ सफाई कर रही थी इसी दौरान जहरीले जंतु के काटने से हुई मौत।जानकारी के अनुसार चांदनी कुमारी 19 वर्षी पुत्री परशुराम कैथी गांव निवासी जो सोमवार देर शाम घर की साफ सफाई कर रही थी इसी दौरान जहरीले जानवर के काटने से मूर्छित हो गई आसपास परिजनों द्वारा अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया उधर बता दें कि तीन भाई चार बहन में तीसरे नंबर की थी चांदनी जिसकी सूचना मिलते ही घर वह गांव में मातम का माहौल फैल गया।

# छोटे बच्चों में बढ़ रहा फैटी लिवर,बच्चों की फूड हैबिट पर ध्यान दें, पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, चिप्स, चॉकलेट न खिलाएं

नयी दिल्ली। भारत सरकार की रिपोर्ट 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' के मुताबिक, भारत के 5-9 साल के बच्चों में से एक तिहाई

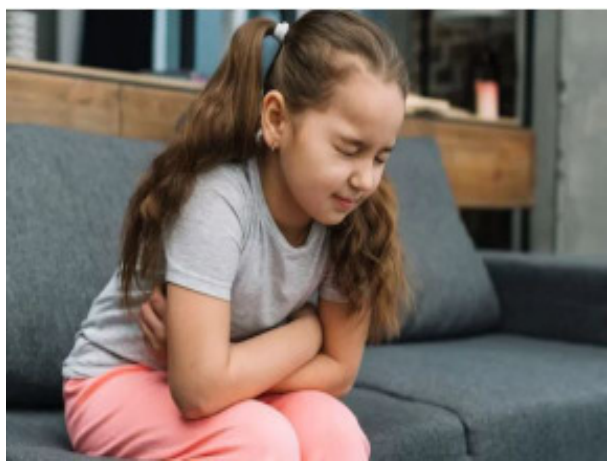

यानी करीब 33फीसदी बच्चों को हाई ट्राइग्लिसराइड्स की समस्या हो सकती है। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आमतौर पर ये समस्या वयस्कों को होती है और मोटे लोगों को अधिक होती है। अब बच्चे भी इसका शिकार हो रहे हैं। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो इन बच्चों को भविष्य में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे फैटी लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज, हाई बीपी जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अगर बच्चा बहुत चिप्स, नमकीन खाता है। कोल्ड ड्रिंक पीता है या घंटों तक मोबाइल लेकर बैठा रहता है। तो यह और भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। हालांकि, थोड़ी कोशिश करके ट्राइग्लिसराइड्स का लेवल नॉर्मल किया जा सकता है। ट्राइग्लिसराइड्स क्या है? बच्चों में इसका नॉर्मल लेवल क्या है? इसके लक्षण कैसे पहचानें, कैसे कंट्रोल करें? ट्राइग्लिसराइड्स शरीर में एक तरह का फैट है। ये खाने में मौजूद फैट, जैसे घी, तेल, मक्खन से आता है। साथ ही, अगर हम ज्यादा कैलोरी वाली चीजें खाते हैं - जैसे चॉकलेट, सोडा या ज्यादा चावल-रोटी तो शरीर इन्हें ट्राइग्लिसराइड्स में बदलकर स्टोर कर लेता है। ये

बाद में एनर्जी के लिए इस्तेमाल होते हैं। अगर ये ज्यादा जमा हो जाएं, तो ब्लड वेसल्स में चिपक जाते हैं, जो दिल की धमनियों को ब्लॉक कर सकते हैं। इससे फैटी लिवर की समस्या हो जाती है। बच्चों के लिए ट्राइग्लिसराइड्स का नॉर्मल लेवल क्या है? 10 साल से कम उम्र के बच्चों में ये 75 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। 10-19 साल के किशोरों में 90 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। अगर 10 साल के बच्चे में 100 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो ये हाई लेवल माना जाता है। ट्राइग्लिसराइड्स लेवल ब्लड टेस्ट से पता चलता है, जो 8-12 घंटे फास्टिंग के बाद किया जाता है। बच्चों में क्यों बढ़ रहा है ट्राइग्लिसराइड्स? 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' रिपोर्ट के अनुसार, 5-9 साल के 33फीसदी बच्चों में

ट्राईग्लिसराइड्स लेवल हाई पाया गया है। इससे 16फीसदी से ज्यादा किशोर प्रभावित हैं। भारत में बच्चों में ये समस्या तेजी से बढ़ रही है आजकल बच्चे जंक फूड ज्यादा खा रहे हैं। वे ज्यादातर समय बर्गर, पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक्स पर निर्भर रहते हैं। स्क्रीन टाइम बढ़ गया है और बाहर खेलना या आउटडोर एक्टिविटीज बहुत कम हो गई है। इसके पीछे मोटापा भी बड़ा कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रीमैच्योर बर्थ वाले बच्चे या कम वजन वाले बच्चे भी रिस्क में हैं। प्रदूषण और फैमिली हिस्ट्री भी असर डालती है। ये सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, गांवों में भी इसका आंकड़ा बढ़ रहा है। ज्यादातर मामलों में बच्चों में इसके स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते हैं। ये 'साइलेंट किलर' की तरह काम करता है। लेकिन कभी-कभी त्वचा पर पीले-चिकने दाने निकल आते हैं। ये दाने अक्सर आंखों के पास या कोहनी पर होते हैं। अगर लेवल बहुत हाई है, जैसे, 500 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो तो पेट दर्द या पैंक्रियाटाइटिस (अग्नाशय में सूजन) हो सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है। अगर बच्चा बहुत थकान महसूस करता है, सांस फूलती है या वजन तेजी से बढ़ रहा है तो सतर्क हो जाएं। सबसे अच्छा तरीका है कि रेगुलर ब्लड टेस्ट करवाएं। 9-11 साल की उम्र में पहला टेस्ट जरूरी है। अगर फैमिली में किसी को हाई कोलेस्ट्रॉल है, तो बच्चों में 2 साल की उम्र से ही चेक करवाना चाहिए। ट्राइग्लिसराइड्स जेनेटिक और लाइफस्टाइल दोनों कारणों से हाई हो सकता है। बच्चों में मुख्य कारण ओबिसिटी, अनकंट्रोल्ड डायबिटीज, थायरॉइड की समस्या, किडनी या लिवर डिजीज है। डाइट में ज्यादा चीनी, रिफाइंड कार्ब्स और सैचुरेटेड फैट्स बड़ा रोल निभाते हैं। एक्सरसाइज की कमी से भी ये जमा हो सकता है। समय से पहले जन्म या कम वेट वाले बच्चों को ज्यादा रिस्क होता है। फैमिली

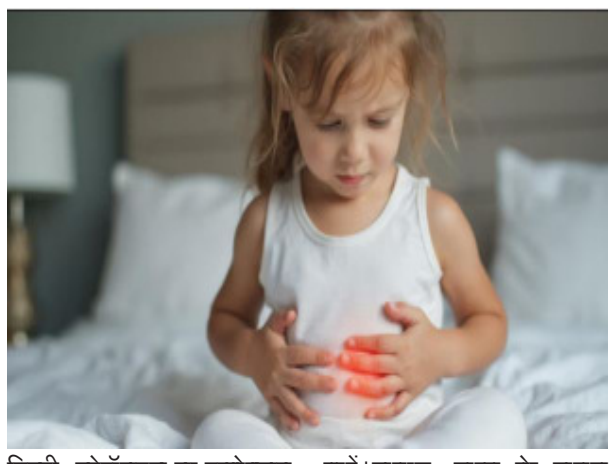

हिस्ट्री, स्टेरॉयड्स या इन्फेक्शन के कारण भी हो सकता है। बच्चों में हाई ट्राइग्लिसराइड्स उन्हें बचपन में उतना प्रभावित नहीं करता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ यह खतरनाक होता जाता है। इससे कोरोनरी आर्टरी डिजीज, स्ट्रोक, टाइप-2 डायबिटीज, हाई बीपी, ओबेसिटी और पेरिफेरल आर्टरी डिजीज का रिस्क बढ़ सकता है। लंबे समय तक रहने पर पैंक्रियाटाइटिस हो सकता है, ये बहुत दर्दनाक होता है और मौत का कारण बन सकता है। अगर अभी कंट्रोल न किया गया तो 30 साल से कम उम्र में ही बच्चा हार्ट अटैक का शिकार हो सकता है। रिपोर्ट में 5फीसदी किशोरों में हाई बीपी भी पाया गया, जो दिल्ली में 10फीसदी तक है। ये सब मिलकर बच्चों की एक्टिव लाइफ छीन सकता है। हालांकि, जल्दी डाइग्नोज करने से 80फीसदी रिस्क कम हो जाता है। अगर बच्चे में हाई ट्राइग्लिसराइड्स डाइग्नोज हुआ है तो घबराएं नहीं। ये कंट्रोल हो सकता है। डॉक्टर से एक्शन प्लान बनवाएं। रेगुलर टेस्ट और मॉनिटरिंग करें। यह ध्यान रखें कि इसमें दवाओं से ज्यादा रोल लाइफस्टाइल का है। डाइट में बदलाव करें, चीनी कम दें या बिल्कुल न दें और जंक फूड्स न दें। बच्चों को क्या खाने को नहीं देना है, पूरी लिस्ट ग्राफिक में है। डॉ. सुनील सरीन कहते हैं कि अगर लाइफस्टाइल सही कर ली तो ये समस्या भी खत्म हो जाएगी। यह देख लिया है कि क्या खाने को नहीं देना है। अब करना क्या है? खाने में फल-सब्जियां, दलिया और मोटा अनाज ज्यादा शामिल करें। ओमेगा-3 रिच फूड्स जैसे अलसी के बीज दें। रोज 30-60 मिनट खुले मैदान में खेलने दें, साइकिलिंग करवाएं, स्विमिंग करवाएं। टीवी-स्क्रीन टाइम कम करें। ध्यान दें कि वजन कंट्रोल में बना रहे। अगर बच्चा नवजात है अगर प्रीमैच्योर बेबी है तो ब्रेस्ट मिल्क दें, जो नेचुरल फैट बैलेंस करता है। डॉक्टर की सलाह से जरूरी सप्लीमेंट्स लें। ट्राइग्लिसराइड्स से जुड़े कुछ आम सवाल और जवाब- सवालः बच्चों में ट्राइग्लिसराइड्स क्यों बढ़ रहा है? जवाबः ज्यादातर जंक फूड, कम एक्सरसाइज और मोटापे से ये समस्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 33फीसदी 5-9 साल के बच्चे प्रभावित हैं। प्रीमैच्योर बर्थ भी वजह है। सवालः लक्षण न दिखने पर इसका पता कैसे चल सकता है? जवाबः ब्लड टेस्ट आसान तरीका है। 9-11 साल में पहला चेकअप करवाएं। अगर फैमिली हिस्ट्री हो तो 2 साल से शुरू करें।सवालः जन्म के समय किन कारणों से इसका रिस्क बढ़ता है? जवाबः प्रीमैच्योरिटी या लो बर्थ वेट से रिस्क बढ़ता है। ब्रेस्टफीडिंग से बचाव। डॉक्टर मॉनिटर करें। बच्चों का स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी है। एक छोटा सा बदलाव करें, जैसे जैसे शाम को पार्क ले जाना या घर पर सलाद बनाना, उनके भविष्य को संवार सकता है। अगर आपको हाई ट्राइग्लिसराइड्स का शक हो, तो आज ही डॉक्टर से बात करें। याद रखें कि प्रिवेंशन इलाज से बेहतर उपाय है।

# संजू सैमसन का नंबर कब आएगा,टी-20 में ओपनिंग पोजिशन से हटाया गया, वनडे में युवा जुरेल ने जगह छीनी

नयी दिल्ली। 2015 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने वाले संजू सैमसन 2023 तक महज 24 टी-20 मैच ही खेल सके थे। आखिरकार 2024 वर्ल्ड कप के बाद

उनकी भारतीय टी-20 टीम में जगह पक्की हुई। उन्होंने फिर ओपनिंग करते हुए 5 महीनों में 3 शतक लगा दिए। लगा कि अब संजू भारत के लॉन्ग टर्म ओपनर होंगे। लेकिन, एशिया कप में उन्हें अपनी जगह शुभमन गिल के लिए खाली करनी पड़ गई। संजू ने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी की। फाइनल में जब भारतीय टीम 20 रन पर तीन विकेट

गंवा चुकी थी तब उन्होंने तिलक वर्मा के साथ 57 रन की पार्टनरशिप लगाई और भारत की मैच में वापसी कराई।

इसके बाद माना जा रहा था कि संजू ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की वनडे टीम में भी जगह बना लेंगे। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं। मुख्य विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल चुने गए और बैकअप के तौर पर ध्रुव जुरेल टीम में आ गए। संजू बाहर रह गए। ऐसा तब हुआ है जब संजू ने 16 वनडे मैचों में 56 की औसत से रन बनाए हैं। दूसरी ओर जुरेल ने अभी वनडे में डेब्यू भी नहीं किया है। संजू एक बार फिर नजरअंदाज हो गए। हालांकि, यह पहला मौका नहीं जब संजू और उनके फैंस का दिल टूटा हो। 10 साल से उनकी कहानी इसी तरह उम्मीद और हार्ट ब्रेक के बीच झूलती रही।

आगे पढ़िए एक दशक से जारी संजू के करियर के उतार-चढाव- (अंडर-19 वर्ल्ड कप से पहचान बनाई) 2014 का अंडर-19 वर्ल्ड कप पिछले 15 साल में भारत के लिए सबसे खराब रहा। टीम क्वार्टर फाइनल में ही इंग्लैंड से हारकर बाहर हो गई। इसके बावजूद आईसीसी टूर्नामेंट ने भारत को श्रेयस अय्यर, कुलदीप यादव और संजू सैमसन जैसे भविष्य के सितारे दे दिए। टूर्नामेंट में युवा सैमसन ने अपनी पावर हिटिंग से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने निकोलस पूरन के बाद सबसे ज्यादा 12 छक्के लगाए। टॉप-15 रन स्कोरर में उनका स्ट्राइक रेट पूरन के बाद बेस्ट रहा। वे टीम इंडिया के टॉप स्कोरर भी रहे और ग्रुप स्टेज में अकेले दम पर टीम को मैच जिताए। 20 साल की उम्र में डेब्यू कर लिया- अंडर-19 वर्ल्ड कप से पहले ही 2013 में उनकी पावर हिटिंग को देखते हुए राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के लिए खरीद लिया। शुरुआती 2 सीजन उन्होंने 24 मैच भी खेल लिए, इनमें 22 छक्के और 44 चौके शामिल रहे। अंडर-19 और आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर सैमसन को 2015 में ही टी-20 डेब्यू का मौका मिल गया। जिम्बाब्वे और श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 1 मैच खेला, लेकिन 24 गेंद पर 19 रन ही बना सके। आईपीएल में परफॉर्म किया, लेकिन मौके नहीं- टी-20 डेब्यू के बाद सैमसन को टीम से बाहर कर दिया गया। इंटरनेशनल टीम में मौके नहीं मिले, लेकिन सैमसन ने आईपीएल में राजस्थान और दिल्ली कैपिटल्स से खेलते हुए लगातार परफॉर्म किया। वे अब राजस्थान की कप्तानी करते हैं और 3 शतक लगाकर 4704 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 219 छक्के भी लगा दिए। डेब्यू के बाद साढ़े 4 साल इंतजार किया- टी-20 डेब्यू के बाद सैमसन को इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। 2020 में आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर स्क्वॉड में शामिल किया जाने लगा, लेकिन सीरीज में 1-2 मैच ही खिलाए गए। 2023 तक सैमसन टीम से अंदर-बाहर होते रहे। उन्हें आयरलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज जैसी टीमों के खिलाफ ही मौके मिले। 2022 में आयरलैंड के खिलाफ ही वे एक फिफ्टी लगा सके, लेकिन टीम में जगह पक्की नहीं कर पाए। धोनी के बाद विकेटकीपर पोजिशन पर कभी केएल राहुल तो कभी ऋषभ पंत को मौके दिए, लेकिन कोई भी स्थापित नहीं हो सका। 5 महीने में 3 शतक लगा दिए

2024 के टी-20 वर्ल्ड कप में संजू सैमसन को ऋषभ पंत के साथ विकेटकीपर के रूप में चुना गया। वॉर्म-अप मैच में पंत ने फिफ्टी लगा दी, वहीं सैमसन कुछ खास नहीं कर सके। इसलिए पूरे टूर्नामेंट

सैमसन को बेंच पर बैठना पड़ा। पंत को टूर्नामेंट में पूरे मौके मिले, लेकिन वे भी कुछ खास नहीं कर सके। वर्ल्ड कप के बाद गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बने। उन्होंने सैमसन को टी-20 टीम में ओपनिंग पोजिशन पर लगातार मौके दिए। संजू ने मौकों को भुनाया और जुलाई से नवंबर के बीच 5 महीने में 3 शतक लगा दिए। उनकी 2 सेंचुरी साउथ अफ्रीका और एक बांग्लादेश के खिलाफ आई। एशिया कप में पोजिशन बदल दी- एक साल में 3 सेंचुरी और 2 फिफ्टी की मदद से 619 रन बना चुके सैमसन की टी-20 टीम में जगह पक्की हो गई। फिर इस साल सितंबर में एशिया कप हुआ। शुभमन गिल उप कप्तान बने और उन्हें सैमसन की जगह ओपनिंग पोजिशन दे दी गई। सैमसन को मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करनी पड़ी। एसीसी टूर्नामेंट में पोजिशन बदलने के कारण 3 मैचों में सैमसन की बैटिंग ही नहीं आई। 4 मुकाबलों में उन्होंने 56, 13, 39 और 24 के स्कोर बनाए। फाइनल में सैमसन ने तिलक वर्मा के साथ अहम फिफ्टी पार्टनरशिप कर टीम को मुश्किल परिस्थिति से निकाला। दूसरी ओर शुभमन ओपनिंग के बावजूद कोई फिफ्टी नहीं लगा सके। 47 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। फाइनल में 12 रन ही बना पाए। ओपनिंग पोजिशन चली जाने के बाद सैमसन के पास मिडिल ऑर्डर में खुद को साबित करने का चैलेंज है। इस पोजिशन पर जितेश शर्मा उनके बैकअप के रूप में बैठे हैं। जो आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में फिनिशर की भूमिका ही निभाते हैं। अगर सैमसन 2-3 मुकाबलों में ज्यादा स्कोर नहीं बना पाए तो 3 शतक के बावजूद उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर किया जा सकता है। वनडे स्क्वॉड में शामिल तक नहीं किया गया - टी-20 टीम में पोजिशन चली जाने के बाद माना जा रहा था कि संजू सैमसन को वनडे टीम में चुना जाएगा। केएल राहुल इस फॉर्मेट में मुख्य विकेटकीपर हैं, लेकिन ऋषभ पंत के इंजर्ड होने के बाद सैमसन का नाम आगे आ रहा था। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम अनाउंस हुई तो सैमसन को बस टी-20 टीम में मौका मिला। वनडे टीम में ध्रुव जुरेल को बैकअप विकेटकीपर के रूप में जगह मिल गई। जुरेल ने टी-20 और टेस्ट डेब्यू तो किया है, लेकिन अब तक वनडे डेब्यू नहीं कर सके। दूसरी ओर सैमसन 16 वनडे में भारत के लिए एक शतक और 3 सेंचुरी लगाकर 510 रन बना चुके हैं। सैमसन के लिए अब आगे क्या? 30 साल के संजू सैमसन व्हाइट बॉल क्रिकेट में फिलहाल अपने पीक फॉर्म में हैं, लेकिन टी-20 में पोजिशन बदलने के कारण उन्हें मौके कम मिल रहे हैं। दूसरी ओर, वनडे टीम में उन्हें चुना तक नहीं गया। अगर टी-20 में वे अपनी नॉन-फेवरेट पोजिशन पर खुद को साबित नहीं कर सके तो जल्द ही टीम इंडिया से उनका पत्ता पूरी तरह कट जाएगा। उन्हें प्लेइंग-11 में बने रहना है तो फिनिशर की पोजिशन पर लगातार तेज रन बनाने ही होंगे। अगले साल भारत में ही टी-20 वर्ल्ड कप भी होना है। सैमसन को टीम में चुना जरूर जाएगा, लेकिन क्या उन्हें अपनी ओपनिंग पोजिशन वापस मिलेगी? 2027 में वनडे वर्ल्ड कप है। पंत बैकअप विकेटकीपर की रेस में आगे हैं, लेकिन सैमसन के मुकाबले उनका वनडे प्रदर्शन कमजोर हैं। अगर टीम मैनेजमेंट सैमसन को साइडलाइन करना चाह रही है तो वनडे टीम में उन्हें मौका मिल पाना बेहद मुश्किल है।

# रणजी ट्रॉफी से वापसी कर सकते हैं ऋषभ पंतःरोहन जेटली से रणजी खेलने की इच्छा जताई, इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हुए थे

बेंगलुरु। चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे विकेटकीपर ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी से कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी

कर सकते हैं। हालांकि, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। टीओआई ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि पंत ने डीडीसीए के प्रेसिडेंट रोहन जेटली से रणजी ट्रॉफी खेलने की इच्छा जताई है। उन्होंने जेटली से कहा है कि उन्हें 25 अक्टूबर से दिल्ली में होने वाले मैच तक फिट हो जाना चाहिए। हालांकि, पंत को बीसीसीआई की मेडिकल टीम से क्लीयरेंस लेना होगा। 28 साल के ऋषभ वर्तमान में बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में रिहैब कर रहे हैं। उनकी फिटनेस पर सेंटर के सूत्र ने कहा- 'अभी तक संभावना यही है कि 10 अक्टूबर तक उन्हें क्लीन चिट मिल जाएगी। इसी हफ्ते उनका निरीक्षण होगा।' चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर- ऋषभ पंत अपनी इंजरी के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी 2 मैचों की टेस्ट टीम से बाहर हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल और नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज का पहला मुकाबला भारतीय टीम ने पारी और 140 रनों के अंतर से जीता था। टीम 1-0 से आगे है। इंग्लैंड दौरे में मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन चोटिल हुए थे पंत- ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे में चोटिल हुए थे। मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन क्रिस वोक्स ने यॉर्कर पंत के पंजे पर लगी। इस चोट के कारण वे 5 मैचों की सीरीज का आखिरी मैच नहीं खेल सके थे। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई थी। ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी में अपनी फिटनेस साबित करके साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम में वापसी करना चाहेंगे। साउथ अफ्रीका की टीम नवंबर महीने में भारतीय दौरे पर आ रही है। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। अफ्रीकी टीम यहां 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेलेगी।

# हमारा ब्लड प्रेशर लो क्यों होता है? इन 10 संकेतों को कभी न करें नजरअंदाज

नयी दिल्ली। आजकल खराब लाइफस्टाइल के कारण लोगों में हाई और लो ब्लड प्रेशर की समस्या आम होती जा रही है। लो ब्लड प्रेशर को मेडिसिन की भाषा में हाइपोटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन कहा जाता है। हालांकि कभी-कभार बीपी का थोड़ा ऊपर-नीचे होना सामान्य है। लेकिन अगर यह अक्सर होने लगे तो गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर अक्सर बिना किसी खास लक्षण के होता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि यह समस्या कब सामान्य है और कब डॉक्टर के पास जाने की जरूरत होती है। तो चलिए, आज फिजिकल हेल्थ कॉलम में हम लो ब्लड प्रेशर के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- लो ब्लड प्रेशर क्या है और ये किन कारणों से होता है? इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है?जब हार्ट खून को पूरे शरीर में पंप करता है तो वह नसों की दीवारों पर दबाव डालता है, जिसे ब्लड प्रेशर कहते हैं। अगर यह दबाव सामान्य से कम यानी 90/60 स्सु (मिलीमीटर ऑफ मर्करी) से नीचे चला जाता है तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। इस स्थिति में शरीर के अंगों को पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता, जिससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधला दिखना और कभी-कभी बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ब्लड प्रेशर की माप में दो संख्याएं होती हैं। सिस्टोलिक (ऊपरी संख्या): जब दिल खून पंप करता है। डायस्टोलिक (निचली संख्या): जब दिल पंप के बाद विश्राम करता है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति का बीपी लगभग 120/80 स्सु होना चाहिए। जब यह स्तर काफी नीचे चला जाए तो यह शरीर के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। ब्लड प्रेशर बहुत कम होने पर शरीर के अंगों को पर्याप्त ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधलापन या बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बैठने या खड़े होने के तुरंत बाद ये लक्षण अचानक महसूस होते हैं। ब्लड प्रेशर लो होने के पीछे डिहाइड्रेशन और हार्ट संबंधी समस्याएं, हॉर्मोनल असंतुलन और खून की कमी समेत कई कारण शामिल हैं। महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से भी ब्लड प्रेशर गिर सकता है, जो

आमतौर पर डिलीवरी के बाद अपने आप सामान्य हो जाता है। इसके अलावा गर्म मौसम, तनाव, डर या अचानक दर्द जैसी स्थितियां भी अस्थायी रूप से बीपी कम कर सकती हैं।लो ब्लड प्रेशर का इलाज इसके कारण पर निर्भर करता है। आमतौर पर लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे ज्यादा पानी पीना, धीरे-धीरे उठना और थोड़ा नमक ज्यादा खाना इसमें मददगार हो सकता है। कुछ मामलों में डॉक्टर दवाएं भी लिख सकते हैं। वहीं अगर कोई दवा बीपी को गिरा रही है तो डॉक्टर उसकी खुराक घटा सकते हैं या दवा बंद कर सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचने के उपाय लो बीपी से बचने के लिए लाइफस्टाइल और खानपान में कुछ बदलाव जरूरी है। लो ब्लड प्रेशर हमेशा खतरनाक नहीं होता है। कुछ लोगों में यह बिना किसी लक्षण के भी हो सकता है। वहीं अगर इससे अक्सर चक्कर, थकान या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें तो यह किसी छिपी हुई स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।अगर आपको चक्कर आना, कमजोरी, धुंधलापन या बेहोशी जैसा महसूस हो तो तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं। अपने पैरों को ऊपर की ओर उठाएं ताकि दिमाग तक ब्लड फ्लो बढ़ सके। गहरी और धीमी सांस लें, घबराएं नहीं। पानी या धीरे पिएं क्योंकि डिहाइड्रेशन भी एक कारण हो सकता है।अगर खाली पेट हैं तो हल्का और जल्दी पचने वाला कुछ खाएं, जैसे बिस्किट या फल। अगर लक्षण बने रहें या बेहोशी जैसा महसूस हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि अगर यह स्थिति बार-बार हो रही है तो इसे मामूली न समझें। यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसका जांच और इलाज जरूरी है। डॉ. संजीव अग्रवाल बताते हैं कि हां, खाने-पीने की गलत आदतें लो ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकती हैं। पर्याप्त पानी न पीना, शराब का ज्यादा सेवन और बहुत हल्का या अनियमित भोजन करने से बीपी गिर सकता है। खासकर डिहाइड्रेशन की स्थिति में यह और बिगड़ सकता है। हां, नियमित हल्की एक्सरसाइज जैसे वॉकिंग, योग या स्ट्रेचिंग से ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और लो बीपी कंट्रोल में रह सकता है। लेकिन बहुत तेज या हैवी एक्सरसाइज से बीपी गिर सकता है, इसलिए एक्सरसाइज हमेशा शरीर की क्षमता और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करें।अगर इसे लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह दिमाग, दिल और किडनी जैसे अहम अंगों तक ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई को प्रभावित कर सकता है। इससे बेहोशी, ऑर्गन फेल्योर या शॉक जैसी गंभीर स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सही कारण की पहचान और इलाज कराना बेहद जरूरी है।

## उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही बात है, जो मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श देना शुरु किया और फिर

के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और वो धैर्य था, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

## जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी

उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस शीट और लाभ, टारगेट, रेवेन्यू के जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन दिनों-दिन असुरक्षा की भावना से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

## गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम 16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह

वो 1 से 16 तक के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और यदि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थित 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद के भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?त्तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं।

## मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में पिघलने की घटनाएं सामने आईं।

वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह रहा। इससे पहले मार्च, अप्रैल और फरवरी भी इतिहास के सबसे गर्म महीनों में शामिल रहे। भारत में फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण

सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना- वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, जैसे राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

## जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज करने वाले कैरेक्टर के हिसाब से पटकथा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे।

आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी

लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन को शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।

'क्या आप भौहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है।

फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है?

कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने को लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी।

यदि आप असमंजस में है तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' मसाज का सबसे अच्छा अनुभव चाहते हैं तो 'इमर्स मोड' को चुनें।

पहले आधे समय में ये अधिक कसरत के कारण शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी।

पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है।

लेकिन उन सुगंधित क्रीम के बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज के लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी।

लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सके।

## भारत अब 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है

(पलकी शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही घाना, त्रिनिदाद एंड टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आठ दिनों की उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। यह सिर्फ कूटनीतिक मैराथन ही नहीं थी, बल्कि भारत के इरादों की स्पष्ट घोषणा भी थी। वैश्विक बदलावों और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। कई द्विपक्षीय बैठकें, ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता और चार राष्ट्रीय सम्मान- मोदी की यह यात्रा ?कई मायनों में प्रभावी रही है। लेकिन इसमें एक और बड़ी कहानी निहित है। यह रणनीतिक महत्वकांक्षाओं, भू-राजनीतिक संदेशों और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका का कथानक है। 1. एक ऐसी दुनिया में जिसमें अकसर आतंकवाद के पीड़ितों और प्रायोजकों में भेद नहीं किया जाता, मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने आतंकवाद पर राजनीति नहीं करने पर जोर दिया। यह पाकिस्तान पर परोक्ष किंतु अचूक निशाना था। उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि हर सार्वजनिक संबोधन में इसे बार-बार दोहराया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की यह दूसरी बड़ी विदेश यात्रा भी थी, जिसने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया। 2. भारत लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भर रहा है। ऐसे में जबकि चीन व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है, यह निर्भरता कम करना जरूरी है। यहीं पर घाना और नामीबिया हमारे लिए जरूरी हो जाते हैं। घाना में हीरा, मैंगनीज और लीथियम के भंडार हैं। नामीबिया में यूरेनियम, तांबा और सोना हैं। दोनों ही देशों में मोदी ने बड़े सहयोग की बात कही है, खासतौर पर हीरे के क्षेत्र में। यह ऐसी नई आपूर्ति श्रृंखला रणनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है, जिसमें खनिज सुरक्षा भी है और जो चीन पर हमारी निर्भरता भी कम करती है। 3. इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य विकासशील देशों में भारत के नेतृत्व को मजबूत करना था।

## सीजेआई पर जूता फेंकने वाले वकील बोले-जो किया, अफसोस नहीं:दूसरे समुदाय के खिलाफ मामला आए तो चीफ जस्टिस बड़े स्टेप लेते हैं

नयी दिल्ली। चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर कुमार ने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा- सीजेआई के भगवान विष्णु पर दिए बयान से मैं आहत हूं। उनके एक्शन (टिप्पणी) पर ये मेरा रिएक्शन था। मैं नशे में नहीं था। जो हुआ, मुझे उसका अफसोस नहीं, किसी का डर भी नहीं है। उन्होंने कहा- यही चीफ जस्टिस बहुत सारे धर्मों के खिलाफ, दूसरे समुदाय के लोगों के खिलाफ केस आता है तो बड़े-बड़े स्टेप लेते हैं। उदाहरण के लिए- हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर विशेष समुदाय का कब्जा है, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर तीन साल पहले स्टे लगाया, जो आज तक लगा हुआ है। वहीं, इस घटना पर एससी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम सिंह ने कहा- भगवान विष्णु की मूर्ति केस में सीजेआई की टिप्पणी को गलत तरीके से दिखाया गया, जिससे ऐसा लगा जैसे सीजेआई ने देवता का अपमान किया। वकील ने मशहूर होने के लिए ऐसा किया। दरअसल, 8 सितंबर की दोपहर सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। तभी आरोपी ने सीजेआई की तरफ जूता फेंका। हालांकि, जूता उनकी बेंच तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत वकील को पकड़ लिया था। जूता फेंकने वाले वकील को पुलिस ने सोमवार को हिरासत में लेने के बाद सुप्रीम कोर्ट कैंपस में ही 3 घंटे पूछताछ की थी। पुलिस ने कहा कि एससी अधिकारियों ने मामले में कोई शिकायत नहीं की। उनसे बातचीत के बाद वकील को छोड़ा गया। वहीं, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने आरोपी वकील राकेश किशोर कुमार का लाइसेंस रद्द कर दिया है। उसका रजिस्ट्रेशन 2011 का है। इसके साथ ही बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने भी आरोपी को तुरंत निलंबित कर दिया। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने ये आदेश जारी किया था। उन्होंने कहा था कि यह वकीलों के आचरण, नियमों का उल्लंघन है। निलंबन के दौरान किशोर कहीं भी प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। 15 दिनों में शो कॉज नोटिस भी जारी किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल ने कहा -'ऐसा असंयमित व्यवहार पूरी तरह अनुचित है और न्यायालय और वकील समुदाय के बीच पारस्परिक सम्मान की नींव को हिलाता है। कोई भी ऐसा कार्य जो इस पवित्र बंधन को कमजोर करता है, न केवल संस्था को बल्कि हमारे राष्ट्र में न्याय के ताने-बाने को भी क्षति पहुंचाता है।' वकील राकेश किशोर का बयान- 'बात ये है कि मैं बहुत ज्यादा आहत हुआ, 16 सितंबर को चीफ जस्टिस के कोर्ट में किसी व्यक्ति ने इध्ठ दाखिल की, तो गवई साहब ने पूरी तरह से उसका मजाक उड़ाया, कहा कि आप मूर्ति से प्रार्थना करो, मूर्ति से कहो कि अपना सिर रिस्टोर कर ले। जब हमारे सनातन धर्म से जुड़ा कोई मामला जैसे- जल्लीकट्टू हो, दही हांडी की ऊंचाई... तो ऐसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट ऐसे ऑर्डर पास करती करती है, जिनसे मुझे बहुत दुख होता है। इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। ठीक है उस आदमी (याचिकाकर्ता) को रिलीफ नहीं देनी है, नहीं दीजिए... लेकिन उसका मजाक नहीं उड़ाएं, उसकी याचिका भी खारिज कर दी।' 6 अक्टूबर को जूता फेंकने पर पकड़े जाने के बाद वकील राकेश किशोर ने नारा लगाते हुए कहा था- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।' वहीं घटना के बाद सीजेआई ने अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। उन्होंने कहा कि इस सबसे परेशान न हों। मैं भी परेशान नहीं हूं, इन चीजों से मुझे फर्क नहीं पड़ता। हमले की जानकारी मिलने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने सीजेआई गवई जी से बात कर उन पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने एक्स पर लिखा था- सीजेआई पर हुए हमले से हर भारतीय गुस्से में है। हमारे समाज में ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। यह अत्यंत निंदनीय है। ऐसी स्थिति में चीफ जस्टिस गवई ने जो धैर्य दिखाया, मैं सराहना करता हूं। इससे पता चलता है कि वे न्याय और संविधान के मूल सिद्धांतों को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।



कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा था कि भारत के माननीय चीफ जस्टिस पर सुप्रीम कोर्ट के भीतर हुआ हमला शब्दों से परे निंदनीय है। यह केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि हमारे संविधान और कानून के शासन पर सीधा आघात है। चीफ जस्टिस गवई ने इस स्थिति में अत्यंत संयम और गरिमा दिखाई है, लेकिन राष्ट्र को एकजुट होकर उनके साथ खड़ा होना चाहिए। माना जा रहा है कि वकील सीजेआई गवई की मध्य प्रदेश के खजुराहो में भगवान विष्णु की 7 फुट ऊंची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना पर की गई टिप्पणियों से नाराज था। सीजेआई ने 16 सितंबर को खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए कहा था- जाओ और भगवान से खुद करने को कहो। तुम कहते हो भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो, जाओ उनसे प्रार्थना करो।

## कर्नाटक में मिली रूसी महिला का केस,इजराइली कारोबारी ने बेटियों की कस्टडी मांगी थी, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- परिवार गुफा में, आप गोवा में क्यों थे

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गोवा में रह रहे एक इजराइली बिजनेसमैन को फटकार लगाई। कोर्ट ने पूछा कि जब उसकी बेटियां और उनकी रूसी मां कर्नाटक के जंगल में गुफा में रह रही थीं, तब वह गोवा में क्या कर रहा था? कोर्ट ने पूछा कि क्या उसके पास भारत में रहने के वैध दस्तावेज हैं। कोर्ट ने यह टिप्पणी तब की, जब बिजनेसमैन ने अपनी दो बेटियों की कस्टडी मांगी और उन्हें रूस भेजने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने कहा कि यह देश अब ऐसा सुरक्षित ठिकाना बन गया है, जहां कोई भी आकर रह सकता है। 11 जुलाई को कर्नाटक के कुमटा तालुका के रामतीर्थ हिल्स के जंगल में पुलिस की रूटीन पेट्रोलिंग के दौरान 40 साल की रूसी महिला नीना कुटीना और उसकी दो बेटियों को बचाया गया था। उनके पास भारत में रहने के वैध दस्तावेज नहीं थे, इसलिए उन्हें कर्नाटक के रेस्ट्रिक्शन सेंटर में भेजा गया। 26 सितंबर को कर्नाटक हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह महिला और उसकी बेटियों को रूस भेजने के लिए ट्रैवल दस्तावेज जारी करे। इसके खिलाफ इजराइली नागरिक डॉर शलोमो गोल्डस्टीन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। बच्चियों का पिता होने के दस्तावेज दिखाएं: कोर्ट- सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि आप कौन हैं, आपका क्या अधिकार है? कोई आधिकारिक दस्तावेज दिखाइए जिसमें आपको बच्चियों का पिता बताया गया हो। उन्होंने यह भी कहा कि हम क्यों न आपको डिपोर्ट करने का आदेश दें। रशियन महिला ने खुद रूस लौटने की इच्छा जताई थी- हाईकोर्ट ने आदेश में कहा था कि महिला व उसकी बेटियां दो महीने से बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रही थीं। महिला ने खुद रूसी दूतावास को पत्र लिखकर जल्द से जल्द रूस लौटने की इच्छा जताई थी। हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चों के हित में यही है कि वे अपनी मां के साथ रूस लौटें। रूसी महिला और उसके बच्चों के रेस्क्यू और शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने कहा था कि नीना 2016 में बिजनेस वीजा पर भारत आई थीं। वीजा करीब 8 साल पहले ही खत्म हो गया था। तब से वह अवैध तरीके से भारत में रह रही थी। इसके करीब एक हफ्ते बाद मीडिया में एक इजराइली नागरिक गोल्डस्टीन ने दावा किया कि वो कुटीना का पति है। गोल्डस्टीन का ये भी दावा है कि करीब 8 साल पहले वो कुटीना से गोवा में मिला था। दोनों में प्यार हो गया। ये बच्चे उसके हैं। वह बच्चों से मिलने के लिए कानूनी मदद मांग रहा है। गोल्डस्टीन के दावों पर कुटीना ने जवाब दिया, 'वो मेरा पति नहीं है। हमने कभी शादी नहीं की। न ही वो मेरे किसी बच्चे का पिता है। उससे मेरी पहचान जरूर है।' 'वो बस मुझे और मेरे बच्चों को परेशान कर रहा है। वो हमारे लिए फैसले लेना बंद करे। हम उससे दूर ही रहना चाहते हैं। उसके पेरेंट्स काफी अमीर हैं। वो मनचाही चीजें पाने का आदी हो चुका है। उसकी जिद की वजह से हमारी पूरी जिंदगी बर्बाद हो रही है।'







अतीत का झरोखा

## जब विदेशों में छपा 'बिहार में किडनैपिंग का कुटीर उद्योग' हाथ-पैर बांधकर नामी डॉक्टर को गन्ने के खेत में बैठा दिया

पटना। 2001 की एक सर्द शाम। पटना के एक मशहूर डॉक्टर अपनी क्लिनिक से निकले, लेकिन घर नहीं पहुंच सके। रास्ते में ही उन्हें कार से खींचकर उठा लिया गया। अगले हफ्ते एक और सर्जन का अपहरण हो गया। फिर बेतिया, सिवान, मोतिहारी से डॉक्टर लापता होने लगे। सफेद कोट वालों में दहशत फैल गई। डॉक्टर बंदूक रखने लगे। गनर रखने लगे। ये वो दौर था, जब देश-विदेश के अखबारों में बिहार के लिए जंगल राज और अपहरण उद्योग जैसे मुहावरे गढ़े जाने लगे। डॉक्टर ओझा हमारे पास हैं, एक करोड़ रुपए लाओ वरना जान से मार देंगे- बात 24 सितंबर 2001 की है। रात करीब 9 बजे का वक्त। जगह- बिहार की राजधानी पटना। बच्चों के जाने-माने डॉ. पूर्णेंदु ओझा अपने क्लिनिक से घर लौट रहे थे। अचानक उन्हें एहसास हुआ कि कोई उनका पीछा कर रहा है। उनकी सेंट्रो कार जैसे ही कंकड़बाग की एक संकरी गली में मुड़ी, सामने आकर सफेद कार खड़ी हो गई। डॉ. पूर्णेंदु कुछ समझ पाते, तीन-चार नकाबपोश उस कार से निकले। हथियार लहराते हुए डॉ. की कार तक पहुंच गए। एक युवक ने चीखते हुए कहा- 'क्ष्क्ष्र निकल बाहर गाड़ी से। खोल दरवाजा।' डॉ. ने दरवाजा नहीं खोला तो एक लड़के ने बंदूक तान दी। बोला- 'ज्यादा हीरो बनेगा तो खोपड़ी उड़ा देंगे तुम्हारी।' डरते हुए डॉ. ने जैसे ही दरवाजा खोला बदमाशों ने उन्हें दबोच लिया। कार से बाहर खींचा, आंखों पर कपड़ा बांधा और अपनी कार में बैठा लिया। सफेद बोलेरो कार तेजी से चल पड़ी। अब तक रात के 10 बज चुके थे। डॉ. ओझा के घर वाले परेशान थे। बार-बार घर के बाहर निकलकर देख रहे थे कि अब तक वे लौटे क्यों नहीं। डॉ. का ड्राइवर भी फोन नहीं उठा रहा था। रात करीब 11 बजे परिवार ने कंकड़बाग थाने में फोन करके बताया कि डॉक्टर का कुछ पता नहीं चल रहा है। पुलिस ने फौरन डॉ. ओझा की तलाश शुरू कर दी। शुरुआती शक डॉक्टर के ड्राइवर उदय पासवान पर गया। पुलिस ने उसे फोन किया तो पता चला कि वह किसी रिश्तेदार के यहां आया हुआ है। पुलिस तुरंत वहां पहुंची और ड्राइवर को पकड़ लिया। एसआई ने कड़क आवाज में पूछा- 'बताओ डॉक्टर ओझा कहां हैं?' डरते हुए ड्राइवर बोला- 'साहब नहीं मालूम। उन्होंने घर जाने से पहले किसी को फोन किया था, लेकिन किसे, मुझे नहीं पता।' एसआई ने चीखते हुए कहा- 'तुम झूठ बोल रहो हो।' -नहीं, साहब झूठ नहीं बोल रहा। 'अपना मोबाइल दिखाओ।' एक हंटर लगाते हुए एसआई ने पूछा। एसआई ने ड्राइवर के कॉल रिकॉर्ड्स खंगाले, लेकिन कुछ खास मिला नहीं। पुलिस ने ड्राइवर को साथ लेकर कई जगह छापेमारी की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। रात भर पुलिस इधर-उधर तलाश करती रही। 25 सितंबर की सुबह एसआई का फोन बजा। किसी ने कहा- 'साहब नालंदा जिले के हरनौत में एक लावारिस कार खड़ी है। लगता है ये उसी डॉक्टर की कार है।' एसआई, 10-12 पुलिस वालों को लेकर हरनौत के लिए निकल पड़े। वहां पहुंचकर पुलिस ने गाड़ी बरामद की। फिर डॉक्टर के परिवार को फोन लगाया- 'डॉक्टर साहब की गाड़ी मिल गई है। आप लोग थाने आ जाइए'। डॉ. का परिवार तुरंत कंकड़बाग थाने पहुंच गया। अपहरण का मामला दर्ज हुआ। पुलिस कड़ी से कड़ी मिलाने में जुट गई। इसी बीच दोपहर 12 बजे डॉ. की पत्नी का फोन बजा। उधर से आवाज आई- 'डॉक्टर ओझा हमारे पास हैं। एक करोड़ रुपए लाओ, फिर छोड़ेंगे, वरना जान से मार देंगे।' परिवार ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। पटना एसएसपी ओएन भास्कर ने एक स्पेशल पुलिस टीम बनाई। एसपी ने टीम से कहा, 'सबसे पहले सीसीटीवी फुटेज खंगालो और उस गाड़ी का नंबर ट्रेस करो।' पुलिस ने तुरंत पड़ताल शुरू की। सीसीटीवी फुटेज जुटाकर गाड़ी का नंबर ट्रेस किया, लेकिन किडनैपर्स का कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच 26 सितंबर को खबर आई कि दरभंगा से भी एक डॉक्टर कृष्ण मोहन वर्मा का अपहरण हो गया है। सरकार पर दबाव बढ़ चुका था। विपक्ष 'जंगल राज' कहकर सरकार को घेर रहा था। इसी बीच पटना हाईकोर्ट ने भी बिहार पुलिस को कड़ी फटकार लगा दी। 28 सितंबर को दिन में अचानक खबर आई कि डॉक्टर ओझा ऑटो में बैठकर घर पहुंच गए हैं। परिवार ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस, डॉक्टर ओझा के घर पहुंची। डॉ. ठीक-ठाक हालत में थे। उनके साथ मारपीट नहीं हुई थी। डॉ. घर कैसे लौटे, फिरौती दी गई या नहीं... इस पर न तो पुलिस ने कुछ कहा, न परिवार ने। दबे जुबान लोग यह चर्चा जरूर करते रहे कि डॉ. साहब फिरौती पर छूटे हैं। कुछ दिनों बाद दरभंगा के डॉ. वर्मा भी घर पहुंच गए। कहा गया कि वे भी फिरौती देकर छूटे हैं। इस घटना के बाद डॉ. ओझा तनाव में रहने लगे थे। दो साल बाद यानी 2003 में उन्होंने एक रिपोर्टर से कहा था- 'अब मैं किसी पर भरोसा नहीं करता। परिवार के लोग घर से बाहर नहीं निकलते। बच्चों को विदेश भेज दिया है। हर दिन शाम 7 बजते ही क्लिनिक बंद कर देता हूं।'

मार्च 2003 में अंग्रेजी अखबार टेलीग्राफ ने लिखा- 'बिहार में हर महीने बड़ी संख्या में डॉक्टरों, बिजनेसमैन और यहां तक कि गरीब किसानों का अपहरण हो जाता है। जबरन वसूली का धंधा चल रहा है। डॉक्टर विदेश भाग रहे हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने तो डॉक्टरों को बंदूक रखने की सलाह दे दी है।'

दूसरी कहानी : आधी रात डॉक्टर का अपहरण, एक करोड़ की फिरोती मांगी- 18 मई, 2003, रात करीब 10.30 बजे का वक्त। पटना के जाने-माने न्यूरो सर्जन डॉ. रमेश चंद्र एक पार्टी से डिनर करके लौट रहे थे। उस दिन उनका ड्राइवर साथ नहीं था, तो वो खुद ही अपनी कार चला रहे थे। रात 10:45 पर, जैसे ही उनकी गाड़ी सरपेंटाइन रोड के पंच मंदिर के पास पहुंची, एक बाइक सामने आकर खड़ी हो गई। डॉक्टर कुछ समझ नहीं पाए। उन्होंने कार का गेट खोलकर आवाज लगाई- 'अब कौन हो तुम लोग, गाड़ी हटाओ सामने से।' मुंह बांधे दो बदमाश तेजी से कार की तरफ बढ़े और डॉक्टर को दबोच लिया। उन्हें सड़क पर घसीटते हुए ले जाने लगे। तभी एक कार आकर वहां रुकी। बदमाशों ने जबरन डॉक्टर को उस कार में बैठाया और तेजी से निकल पड़े। डॉक्टर की कार वहीं सड़क किनारे लावारिस पड़ी रही। अब तक रात के 11 बजे चुके थे। डॉ. का परिवार परेशान था। पत्नी ने फोन किया, लेकिन उनका फोन बंद था। उसके बाद साथी डॉक्टरों को फोन किया। पर कोई खबर नहीं मिली। परिवार और रिश्तेदार पूरी रात इधर-उधर तलाश करते रहे, फोन करते रहे। सुबह होते ही परिवार ने पुलिस को डॉक्टर के लापता होने की जानकारी दी। इसके बाद थानों में फोन की घंटियां बजने लगीं। कुछ देर बाद पता चला कि पटना न्यू बाईपास रोड के पास एक लावारिस कार खड़ी है। पुलिस तुरंत वहां पहुंची। पिछली सीट पर डॉक्टर का टूटा हुआ चश्मा पड़ा था। जक्कनपुर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई। डीजीपी डीपी ओझा ने एक स्पेशल टीम बनाने का आदेश दिया और पटना के



AI IMEGE

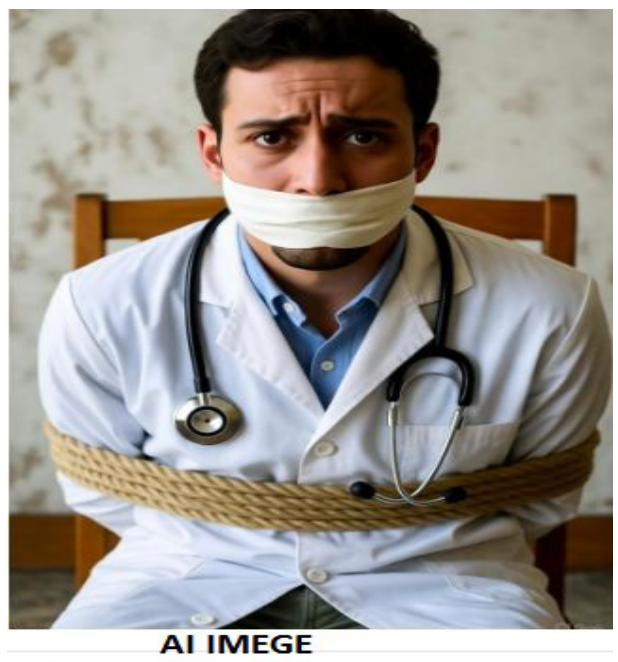

नौबतपुर थाने के इलाके को सील कर दिया गया। दोपहर तक पुलिस छापेमारी करती रही, लेकिन डॉक्टर का कुछ पता नहीं चला। इसी बीच डॉक्टर की पत्नी का फोन बजा। उधर से आवाज आई- 'डॉक्टर साहब हमारे पास हैं, इन्हें छुड़ाने के लिए एक करोड़ रुपए लगेंगे। डॉक्टर की पत्नी ने तुरंत डीजीपी को इसकी जानकारी दी। डीजीपी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की इमरजेंसी बैठक में थे। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा- 'आप परेशान मत होइए, हम फिरौती की एक रकम दिए बिना...डॉक्टर को छुड़ाएंगे, उन्हें कुछ नहीं होगा।' तीन दिन बीत गए थे। पुलिस लगातार अलग-अलग नंबरों को ट्रेस कर रही थी। इस बीच पुलिस को खबर मिली कि डॉक्टर को नौबतपुर थाना के चिरौरा गांव में बंधक बनाकर रखा गया है। डीजीपी ओझा ने फौरन एक मीटिंग बुलाई। इसमें स्थानीय थाने की पुलिस और क्राइम ब्रांच की यूनिट शामिल थी। अगले दिन सुबह का अंधेरा अभी खत्म नहीं हुआ था कि पुलिस की गाड़ियां तेजी से चिरौरा की ओर चल पड़ीं और जल्द ही गांव को घेर लिया। सुबह 6 बजे पुलिस एक घर तक पहुंची। दरवाजा खटखटाया, पर कोई जवाब नहीं मिला। एक पुलिस वाले ने ऊंची आवाज में कहा- 'दरवाजा खोलो, वरना पूरे घर को जलाकर राख कर देंगे।'

उसके बाद दरवाजा खुला। कमरे में डॉक्टर रस्सियों से बंधे हुए थे। चेहरा पीला पड़ गया था, आंखों में गहरी थकान थी। पास दो लोग खड़े थे- मुन्ना सिंह और चित्तरंजन सिंह। पुलिस डॉक्टर और आरोपियों को थाने लेकर आई। आरोपियों ने इस किडनैपिंग केस में एक जदयू विधायक का भी नाम लिया। नाम था सुनील पांडेय। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद पटना की स्थानीय अदालत में चार्जशीट पेश कर दी। 4 साल तक सुनवाई चली। 2007 में कोर्ट ने सुनील पांडेय और 5 आरोपियों को उम्रकैद और 50-50 हजार का जुर्माना लगाया। आरोपियों ने पटना हाईकोर्ट में अपील की। 3 साल बाद 2010 में अदालत ने सबूतों के अभाव में सुनील पांडेय समेत 4 आरोपियों को बरी कर दिया, लेकिन मुन्ना सिंह और चित्तरंजन सिंह की सजा बरकरार रखी।

तीसरी कहानी : सुनसान सड़क पर लावारिस हालत में मिले डॉक्टर, 20 लाख फिरौती- 2 अक्टूबर 2004, शाम का वक्त। जगह- गया जिले का फतेहपुर ब्लॉक। देर शाम डॉक्टर गिरिजेश कुमार रोज की तरह अपने क्लिनिक से घर लौट रहे थे। अब उनकी गाड़ी सुनसान इलाके से गुजर रही थी। इसी बीच 10-12 हथियारबंद लोगों ने डॉक्टर की कार रोक ली। डॉक्टर हॉर्न बजाते रहे, लेकिन बदमाश सामने से नहीं हटे। डॉक्टर बाहर निकले और चीखते हुए कहा- 'क्या तमाशा बनाकर रखे हो, हटो सामने से।' गाली देते हुए एक बदमाश ने डॉक्टर की कनपटी पर बंदूक सटा दी। दूसरे ने उनका हाथ पकड़कर पीछे बांध दिया। फिर उन्हें उठाकर जबरन अपनी कार में बैठा लिया और सुनसान रास्ते की तरफ चल पड़े। इधर, डॉक्टर का परिवार रातभर परेशान रहा। सुबह-सुबह पुलिस को पता चला कि घोसी-जहानाबाद सुनसान सड़क पर एक लावारिस कार खड़ी है। पुलिस ने फौरन कार बरामद कर ली। डॉ. के परिवार ने कन्फर्म किया कि ये कार उनकी ही है। इसी कार से वे अपने क्लिनिक गए थे। फतेहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस अलग-अलग जगहों पर छापा मारती रही, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। दो हफ्ते बीत चुके थे। सरकार के खिलाफ जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे थे। विधानसभा चुनाव में 5 महीने से भी कम वक्त बचा था। इसी बीच एक रोज सुबह-सुबह फतेहपुर थाने में फोन बजा- 'साहब गया से नवादा जाने वाले रास्ते में एक आदमी सड़क पर अधमरी हालत में पड़ा है।' पुलिस की एक टीम फौरन वहां पहुंची। देखा डॉक्टर गिरिजेश कुमार सुनसान सड़क पर पड़े हैं। चुप, उदास, और मानसिक रूप से पूरी तरह हिल चुके। मीडिया वाले उनसे सवाल करते रहे, पर उन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला। डॉक्टर सुनसान रास्ते पर कैसे पहुंचे। उन्हें कौन उठाकर ले गया था। इस बारे में न तो पुलिस ने बहुत कुछ बताया और न ही परिवार की तरफ से कुछ कहा गया। हालांकि मीडिया में चर्चा थी कि डॉक्टर गिरिजेश से फिरौती मांगी गई थी। फिरौती की रकम थी- 20 लाख रुपए।

चौथी कहानी : नवंबर की रात, जब डॉक्टर खुद को गन्ने के खेत से छुड़ाकर भागे- नवंबर 2004, भोजपुर जिले के तरारी ब्लॉक का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दिनभर हलचल रही। वहां पोलियो वैक्सीनेशन ड्राइव चल रही थी। डॉक्टर राघवेंद्र शर्मा पूरे दिन इसी काम में जुटे हुए थे। देर शाम वे सरकारी जीप से घर के लिए निकले। जब उनकी जीप करथ गांव के पास पहुंची, तो अंधेरे में छिपे छह हथियारबंद अचानक सामने आए और गाड़ी को घेर लिया। उन्होंने जैसे ही कार का गेट खोला, हथियारबंद लोगों ने उन्हें बाहर खींच लिया और घसीटते हुए एक गाड़ी में ले जाकर बिठा दिया। फिर चल पड़े। आरोपी उन्हें भाकुरा गांव ले गए। एक गन्ने के खेत में बैठाकर डॉक्टर को रस्सी से बांध दिया। अब उन लोगों ने डॉक्टर के परिवार को फोन किया- 'डॉक्टर हमारे पास हैं। 5 लाख देना होगा, नहीं तो गोली मारकर लाश घर भिजवा देंगे।' परिवार ने तुरंत लोकल थाने को ये बात बताई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया और डॉक्टर की तलाश शुरू कर दी। अब तक रात हो चुकी थी। अपहरण करने वाले थककर आराम फरमा रहे थे। डॉक्टर



शर्मा भांप गए कि वे लोग सो गए हैं। वे रस्सी खोलने में जुट गए। आधे घंटे की कोशिश के बाद आखिरकार उन्होंने एक पैर की रस्सी खोल ली। फिर धीरे-धीरे हल्के पांव वे खेत से निकलने लगे। खेत के बाहर निकले तो देखा एकदम सन्नाटा। कहीं से कोई हरकत नहीं। वे खेत की पगडंडियों के रास्ते सरपट भागने लगे। करीब एक घंटे लगातार दौड़ते-भागते वे तरारी थाना पहुंचे। पुलिस वालों ने उन्हें बैठाया और पानी पिलाया। उसके बाद घटना की पूरी जानकारी ली। सुबह एसडीपीओ विजय प्रसाद ने तुरंत एक पुलिस टीम बनाई और आदेश दिया- 'करथ और भाकुरा गांव को घेर लो।' पुलिस ने वैसा ही किया। गांव को चारों तरफ से घेरकर एक-एक घर की तलाशी हुई, लेकिन पुलिस को कुछ हाथ नहीं लगा। टाइम्स ऑफ इंडिया ने अगले दिन लिखा- 'डॉक्टर अपहरणकर्ताओं की कैद से भाग निकले।' दुनिया की चर्चित टाइम मैगजीन ने अपने 30 जून 2003 के एडिशन में 'स्टेट ऑफ फियर' हेडिंग से लिखा- 'बिहार में फिरौती के लिए अपहरण राज्य का सबसे बड़ा 'उद्योग' बन चुका हैष्ठ पूरे राज्य में अपहरण के डर से अस्पताल खाली हो गए हैं और शायद राज्य में कुछ नेता 'किडनैप गेम' में शामिल है'। द टेलीग्राफ ने 19 मार्च 2004 की अपनी एक स्पेशल स्टोरी में लिखा, 'बिहार में सिर्फ अपहरण और हत्या का कारोबार फल-फूल रहा हैष्ठ डॉक्टर प्रमुख निशाने पर हैं।ष्ठ अपहरण उद्योग के उभार ने 'विकास की चमक' फीकी कर दी है।' 'कई डॉक्टर और व्यापारियों ने बिहार छोड़ दिया है ष्ठ मेडिकल एसोसिएशन की राज्य शाखा ने डॉक्टरों से हथियार रखने की अपील की है, कुछ डॉक्टर तो केवल हथियार से लैस गार्ड के साथ ही चलते हैं और ज्यादातर तो नए मरीजों को देखने से पहले उनका बैकग्राउंड चेक करते हैं।' बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक '2001 से 2004 के बीच बिहार में कुल 35 डॉक्टरों का अपहरण हुआ। इनमें से 5 डॉक्टरों की हत्या तक कर दी गई। फिर कभी आरजेडी का सीएम नहीं बना, विपक्ष के लिए आज भी जंगल राज बड़ा हथियार एक्सपर्ट्स के मुताबिक, 2000-2004 के बीच हुई अपहरण की घटनाओं से राजद को बहुत नुकसान हुआ। बीजेपी और जदयू ने लगातार इसे मुद्दा बनाया। फरवरी 2005 में हुए विधानसभा चुनाव में राजद को इसका खासा नुकसान झेलना पड़ा। पिछले चुनाव के मुकाबले उसकी 40 सीटें कम हो गईं। राजद को 75 सीटें ही मिलीं, जो बहुमत से 37 कम थीं। बीजेपी को 55 और जदयू को 37 सीटें मिलीं। किसी भी दल या गठबंधन के पास बहुमत नहीं होने की वजह से राज्य में राष्ट्रपति शासन लग गया। 6 महीने बाद यानी अक्टूबर 2005 में फिर से विधानसभा चुनाव हुए। इस बार बीजेपी और जदयू गठबंधन ने 242 में से 143 सीटें जीत लीं। राजद 54 सीटों पर सिमट गई। उसके बाद 2010 चुनाव में भी आरजेडी की करारी हार हुई। हालांकि 2015 में नीतीश के साथ आने से आरजेडी की सत्ता में वापसी हुई, लेकिन 2020 के चुनाव में उसे फिर से विपक्ष में बैठना पड़ा। 2005 के बाद से बिहार में अब तक आरजेडी का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया।

रेफरेंस:- https://timesofindia.indiatimes.com/city/patna/two-more-doctors-kidnapped/articleshow/773930611.cms

https://www.bhaskar.com/bihar-election/news/bihar-doctors-kidnapping-case-rjd-lalu-jungle-raj-daRhanga-patna-136109014.html

https://time.com/archive/6645409/state-of-fear/

## एक्सीडेंट से विजय देवरकोंडा के सिर में आई चोट,कार की हुई थी जोरदार टक्कर, कहा- कार को टक्कर लगी, चोट आई, लेकिन हम ठीक हैं

मुंबई। सोमवार शाम को साउथ के पॉपुलर एक्टर विजय देवरकोंडा का हैदराबाद-बैंगलोर हाईवे में एक्सीडेंट हुआ है। उनकी कार की तेज रफ्तार बोलेरो से जोरदार टक्कर हुई थी, जिससे एक्टर के सिर पर चोट आई है। अब विजय ने खुद बताया है कि वो ठीक हैं और अस्पताल से लौट चुके हैं। हालांकि हादसे से उनके सिर पर चोट आई है, लेकिन फिक्र की कोई बात नहीं है। विजय देवरकोंडा ने एक्सीडेंट के बाद अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है- 'ऑल इज वेल (सब ठीक है), कार को टक्कर लगी थी, लेकिन हम सब ठीक हैं। मैं गया और मैंने स्ट्रेंथ वर्कआउट भी की और अब मैं घर आ चुका हूं। मेरे सिर पर चोट आई है, लेकिन ऐसा नहीं है कि बिरयानी और अच्छी नींद इसे ठीक

न कर सके। आप सभी को बड़ी सी झप्पी और प्यार। खबरों से खुद को परेशान न होने दें।' 5 अक्टूबर यानी रविवार को विजय देवरकोंडा अपने परिवार के साथ भगवान श्री सत्य साईं बाबा के महा समाधि स्थल पर दर्शन करने पुट्टपर्थी पहुंचे थे। सोमवार को वो हैदराबाद के लिए रवाना हुए थे, लेकिन जोगुलंबा गडवाल जिले के उंडावल्ली इलाके में एक्टर की कार हादसे की चपेट में आ गई। विजय की कार आगे चल रही थी, तभी तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मार दी। बोलेरो का ड्राइवर रुकने की बजाय वहां से फरार हो गया। विजय के ड्राइवर ने हादसे की सूचना लोकल पुलिस को दी। फिलहाल लापरवाही से ड्राइवर करने वाले बोलेरो ड्राइवर की तलाश की जा रही है। बता दें कि विजय देवरकोंडा इसी साल जुलाई में रिलीज हुई फिल्म किंगडम में नजर आए हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर सकी और लगभग बजट जितनी ही कमाई कर सकी। फिल्मों के अलावा विजय देवरकोंडा इन दिनों रूमर्ड गर्लफ्रेंड रश्मिका मंदाना से सगाई की खबरों से भी सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूमर्ड कपल ने इंटिमेट सेरेमनी में सगाई की है और अगले साल दोनों शादी कर सकते हैं।

## 60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी से पूछताछ,साढ़े 4 घंटे तक ईओडब्लू के सवाल-जवाब, पति राज कुंद्रा समेत 5 के बयान भी दर्ज

मुंबई। शिल्पा शेट्टी से 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में ईओडब्लू (इकोनॉमिक ऑफेंस विंग) की टीम ने पूछताछ की है। ईओडब्लू की टीम करीब साढ़े 4 घंटे तक एक्ट्रेस से सवाल-जवाब करती रही। उनके अलावा शिल्पा के पति राज कुंद्रा का बयान भी दर्ज किया गया है। उनका नाम भी शिकायत में दर्ज है।अफसरों ने शिल्पा और राज कुंद्रा समेत 5 लोगों के बयान लिए हैं। उनसे पूरे लेन-देन की जानकारी ली गई। ये पूछताछ शिल्पा शेट्टी के मुंबई स्थित घर में हुई थी। फिलहाल जांच टीम उस कंपनी का ब्योरा निकाल रही है, जिससे उस समय शिल्पा और राज जुड़े हुए थे। इसी मामले में राज से बीते हफ्ते भी पूछताछ हुई थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि बेस्ट डील को दीपक कोठारी द्वारा दी गई रकम को बिपाशा बसु, नेहा धूपिया और प्रोड्यूसर एकता कपूर को बतौर प्रोफेशनल फीस दी जा चुकी थी। क्या है पूरा मामला? अगस्त में मुंबई के एक बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर

60 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई है। दीपक कोठारी के मुताबिक, उनकी मुलाकात 2015 में एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और कुंद्रा से हुई थी। उस समय दोनों बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे और शिल्पा के पास कंपनी के 87फीसदी से ज्यादा शेयर थे।शिकायत के अनुसार, एक मीटिंग में तय हुआ कि शिल्पा और राज कुंद्रा की कंपनी को दीपक लोन देंगे। कंपनी के लिए 75 करोड़ रुपए का लोन मांगा था, जिस पर 12फीसदी सालाना ब्याज तय हुआ।दीपक कोठारी का आरोप है कि बाद में शिल्पा और कुंद्रा ने उनसे कहा कि लोन पर टैक्स की परेशानी आ सकती है, इसलिए इसे इन्वेस्टमेंट के रूप में दिखाते हैं और हर महीने रिटर्न देंगे। अप्रैल 2015 में कोठारी ने करीब 31.95 करोड़ रुपए की पहली पेमेंट की। टैक्स से जुड़ी परेशानी जारी रहने पर सितंबर में दूसरी डील हुई और जुलाई 2015 से मार्च 2016 के बीच उन्होंने 28.54 करोड़ रुपए और ट्रांसफर किए। कुल मिलाकर उन्होंने 60.48 करोड़ रुपए दिए, साथ ही 3.19 लाख रुपए स्टांप ड्यूटी के रूप में चुकाए। कोठारी का दावा है कि अप्रैल 2016 में शिल्पा ने उन्हें पर्सनल गारंटी भी दी थी, लेकिन उसी साल सितंबर में उन्होंने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद शिल्पा की कंपनी पर 1.28 करोड़ रुपए का कर्ज न चुकाने का मामला सामने आया। कोठारी को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने कई बार अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन कोई जवाब और पैसे नहीं मिले। पहले मामला जुहू पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और जालसाजी के तहत दर्ज हुआ। चूंकि रकम 10 करोड़ से ज्यादा थी, इसलिए जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू ) को सौंप दी गई है। ईओडब्लू इस केस की जांच कर रही है।

## कहानी आशा भोसले की, भागकर शादी की,घरेलू हिंसा का शिकार हुईं, खुद को खत्म करना चाहा, सिंगिंग के साथ सफल रेस्तरां व्यवसायी भी बनीं

मुंबई। लीजेंड्री सिंगर आशा भोसले ने हर शैली के गीतों में अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरा। उनकी आवाज की मिठास ऐसी है कि आज भी लोगों के दिलों पर राज करती है। अपने करियर में

12,000 से ज्यादा गीत गा चुकीं आशा भोसले के लिए संगीत का सफर इतना भी आसान नहीं था। 9 साल की उम्र में ही पिता का साया उठ गया। 16 साल की उम्र में जब आशा भोसले ने भाग कर परिवार वालों के खिलाफ बड़ी बहन लता मंगेशकर के सेक्रेटरी गणपतराव भोसले से शादी की, तब लता ने बहन से रिश्ता तोड़ लिया। शादी के बाद आशा भोसले को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा और वह घरेलू हिंसा का शिकार भी हुईं। इतना ही नहीं, जिंदगी से इतना निराश हो गई थीं कि खुद को खत्म करना चाहती थीं। बहरहाल, 14 से अधिक भाषाओं में गीत गा चुकीं आशा भोसले की आवाज में 92 साल की उम्र में भी वही खनक और जादू बरकरार है। जबकि एक समय ऐसा भी था जब इसी आवाज को खराब बताकर रिकॉर्डिंग स्टूडियो से उन्हें निकाल दिया गया था।आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर 'दीनानाथ मंगेशकर' की बेटी और स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। जब वो सिर्फ 9

साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने अपनी बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी। आशा की खासियत यह है कि उन्होंने हर तरह के गीतों में खुद को ढाला। चाहे वह रोमांटिक गाने हों, कैबरे सॉन्ग हो, गजल हो या फिर क्लासिकल संगीत। हर शैली में उन्होंने अपनी आवाज की अमिट छाप छोड़ी।आशा भोसले ने 16 साल की उम्र में 31 साल के गणपतराव भोसले से 1949 में भागकर शादी की थी। गणपतराव, लता मंगेशकर के सेक्रेटरी थे। लता मंगेशकर इस बात से बहुत दुखी हो गई थीं और उन्होंने अपनी छोटी बहन से नाता तोड़ लिया था। जब आशा भोसले पहले बच्चे की मां बनीं, इसके बाद मंगेशकर परिवार ने उन्हें अपनाया, मगर ये बात गणपतराव को पसंद नहीं आई। गणपतराव नहीं चाहते थे कि आशा अपने परिवार से रिश्ता रखें, खासकर लता मंगेशकर से। गणपतराव ने आशा को पैसों के लिए परेशान करना शुरू कर दिया था और लता मंगेशकर से मिलने से भी रोका करते थे। दोनों के बीच झगड़े होने लगे। गणपतराव, आशा के साथ मारपीट भी करने लगे थे।कविता छिब्बर को दिए इंटरव्यू में आशा ने कहा था- मैंने बहुत कम उम्र में अपने से 20 साल बड़े आदमी से शादी कर ली थी। ये एक लव मैरिज थी और लता दीदी ने मुझसे लंबे समय तक बात नहीं की थी। उन्हें ये रिश्ता मंजूर नहीं था। गणपतराव का परिवार बहुत रूढ़िवादी था और वे एक सिंगिंग स्टार को एक बहू के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते थे। मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया गया और जब मैं अपने सबसे छोटे बेटे आनंद को जन्म देने वाली थी तो मुझे घर से निकलने के लिए कह दिया गया और मैं अपनी मां-बहनों के पास वापस लौट गई। फिर भी मैं किसी को दोष नहीं देती और मेरे मन में किसी के लिए कोई बुरा नहीं सोचती।दोनों के तीन बच्चे हुए। 2 बेटे और एक बेटी। हालांकि, शादी के 11 साल बाद यानी 1960 में दोनों अलग हो गए। आशा भोसले की बायोग्राफी 'Asha Bhosle: A Life In Music' में उनकी जिंदगी से जुड़े तमाम पहलुओं के बारे में लिखा है। इसमें इस बात का भी जिक्र है कि गणपतराव ने कई बार आशा के ऊपर हाथ उठाया था। किताब के मुताबिक, गणपतराव ने आशा पर तब भी हाथ उठाया था जब वो प्रेग्नेंट थीं। कई बार उन्हें अस्पताल में भर्ती तक होना पड़ा था। किताब में बताया गया है कि आशा के ससुराल वाले काफी संकुचित सोच के थे। उनके पति काफी शॉर्ट-टेम्पर्ड आदमी थे। शायद आशा भोसले को दर्द देने में उन्हें मजा आता था। वो एक सैडिस्ट इंसान थे, लेकिन बाहर किसी को इस बारे में पता नहीं था। किताब में आशा भोसले ने कहा है- मैंने अपना पूरा कर्तव्य निभाया, जैसे हिंदू धर्म में पत्नी निभाती है।किताब के मुताबिक जब आशा भोसले अपने तीसरे बच्चे के लिए प्रेग्नेंट थीं, तो उनके ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया था। वो अस्पताल में भर्ती थीं और यही वो वक्त था, जब आशा ने खद की जान लेने की कोशिश की।किताब में आशा ने बताया है- एक वक्त पर मुझे लगने लगा था कि मैं अपनी जान ले लूं। मैं बीमार थी, चार महीने की प्रेग्नेंट थी, अस्पताल में हालत ऐसी थी कि लग रहा था कि यही नर्क है। मैं दिमागी तौर पर इतना टूट गई थी कि मैंने एक पूरी बॉटल स्लीपिंग पिल की खा ली, लेकिन मेरे बच्चे के लिए मेरा प्यार इतना बड़ा था कि उसने मुझे मरने नहीं दिया। मैं मरी नहीं और वापस आ गई। आशा ने इस रिश्ते से निकलने के कई सालों बाद मशहूर संगीतकार और सिंगर आर.डी बर्मन से शादी की थी।आशा भोसले ने दूसरी शादी संगीतकार आर डी बर्मन से 1980 में की। दोनों की पहली मुलाकात 1966 में फिल्म तीसरी मंजिल के गाने के दौरान हुई थी। इसके बाद आशा भोसले ने आर.डी. बर्मन की कई फिल्मों में गीत गाए। लगातार काम करते हुए दोनों की अच्छी दोस्ती हो गई और ये दोस्ती कब प्यार में बदल गई, पता ही नहीं चला। आर.डी. बर्मन ने एक दिन मौका पाते ही आशा के सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया। आशा ने इसके लिए तुरंत हां भी कर दिया था, लेकिन बर्मन की मां ने शादी से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने बर्मन से कहा कि अगर ये शादी होगी तो मेरी लाश पर ही होगी। बर्मन की मां शादी से इसलिए इनकार कर रही थीं, क्योंकि आशा बर्मन से 6 साल बड़ी थीं और वो 3 बच्चों की मां थीं। तब बर्मन ने

चुपचाप मां की बात मान ली। हालांकि, जब बर्मन के पिता एस.डी. बर्मन का निधन हुआ, तो मां की मानसिक स्थिति बिगड़ गई। ऐसे में मां की हालत में सुधार के लिए बर्मन ने आशा भोसले से 1980 में शादी कर ली थी। आशा भोसले ने 50 से 90 के दशक के बीच ओपी नैयर, आरडी बर्मन, खय्याम और बप्पी लहरी जैसे कई संगीतकारों के साथ काम किया।

कई सदाबहार गाने गाए, लेकिन एक समय ऐसा था जब उनकी आवाज को रिजेक्ट करके रिकॉर्डिंग स्टूडियो से वापस भेज दिया गया था।आरजे अनमोल के साथ बातचीत के दौरान आशा भोसले ने करियर के शुरुआती दौर के बारे में बात करते हुए कहा था कि एक बार खराब आवाज बताकर किशोर कुमार के साथ रिकॉर्डिंग स्टूडियों से निकाल दिया गया था। आशा भोसले ने बताया था- 1947 की बात है। किशोर कुमार के साथ फेमस स्टूडियों में राज कपूर और नरगिस स्टारर फिल्म 'जान पहचान' के लिए एक गाना रिकॉर्ड करने गई थी। इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर खेमचंद प्रकाश थे। आजकल स्टूडियो एयर-कंडीशन्ड होते हैं और उनमें ढेर सारी मशीनें होती हैं। उन दिनों दो ट्रैक वाली मशीनें हुआ करती थीं। एक ट्रैक संगीतकार और दूसरा ट्रैक गायक के लिए होता था। माइक भी सिर्फ एक ही रहता था और गायकों को उसके सामने खड़े होकर गाना पड़ता था। मैंने और किशोर दा ने गाना शुरू किया।इसके बाद खाना बेहद पसंद था। एक इंटरव्यू के दौरान आशा भोसले ने कहा था कि ऋषि कपूर को उनके हाथ का शामी कबाब, कड़ाई गोश्त और काली दाल बहुत पसंद थी।इंटरव्यू के दौरान आशा भोसले ने यह भी बताया था कि अगर सिंगर नहीं होती तो पक्का कुक होतीं। गायिकी के साथ-साथ आशा भोसले ने अपने कुकिंग के शौक को भी जिंदा रखा। खाना पकाने के प्यार ने आशा भोसले को एक सफल रेस्तरां व्यवसायी के रूप में भी पहचान दिलाई है। सबसे पहले उन्होंने दुबई में आशाज नाम से रेस्टोरेंट खोला। इसे खुले दो दशक बीत चुके हैं। आशा भोसले के रेस्टोरेंट में उत्तर पश्चिमी भारतीय व्यंजन परोसा जाता है। आशा भोसले का रेस्टोरेंट दुबई के अलावा कुवैत, अबुधाबी, दोहा और बहरीन जैसे कई देशों में है। इन रेस्टोरेंट का संचालन वाफी ग्रुप द्वारा किया जाता है जिसमें आशा भोसले की 20 प्रतिशत भागीदारी है। आशा भोसले ने इन रेस्तरां में खाना बनाने वाले शेफ्स को खुद छह महीने तक अच्छा खाना बनाने की ट्रेनिंग दी है। आशा भोसले ने अपने 90वें जन्मदिन पर दुबई में म्यूजिक कॉन्सर्ट में परफॉर्म किया था। इस कार्यक्रम को लेकर मुंबई में हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आशा भोसले ने कहा था- उम्र तो महज एक आंकड़ा होता है। उम्र तो बढ़ती है, लेकिन दिल हमेशा जवान रहता है। इस उम्र में अभी भी खड़ी हूं, गाना गा रही हूं और अपने बच्चों के लिए अभी भी खाना पकाती हूं।

## पति चाहते हैं कि डिलीवरी के तुरंत बाद ही मैं कैटरीना कैफ जैसी स्लिम हो जाऊं, क्योंकि उन्हें मुझे छूने का मन नहीं करता

नयी दिल्ली। कभी-कभी मुझे लगता है कि ये सब सिर्फ किताबों की बातें हैं कि प्यार शरीर से नहीं, बल्कि मन से होता है। असलियत तो यही है कि कोई भी सिर्फ मन देखकर प्यार नहीं करता, पहली नजर तो सबकी बस शरीर पर ही जाती है। तभी तो मेरे पति (आशीष), जो कभी मुझसे बेइंतहा प्यार करते थे, आज मेरा प्यार नहीं देख पाते। उनकी नजर अब सिर्फ मेरे बढ़े हुए वजन पर जाती है। जब से बेटी का जन्म हुआ है, हर रोज मुझे यही सुनने को मिलता है की 'कितनी मोटी हो गई हो, कुछ करती क्यों नहीं हो? कमर तो देखो कमरा ही हो गई है। तुम्हें देखकर तो छूने का मन भी नहीं करता।' लेकिन उन्हें कोई कैसे समझाए कि अचानक से वजन कम नहीं हो जाता। इसके लिए समय लगता है। फिर अगर आप तो यह उम्मीद करें कि डिलीवरी के सिर्फ दो महीने बाद ही मैं कैटरीना कैफ जैसी स्लिम दिखने लगूं, तो ये कैसे मुमकिन है? अब कौन सी महिला

नहीं चाहती कि वो खूबसूरत और फिट दिखे? लेकिन सच्चाई ये है कि हर चीज हमारे कंट्रोल में नहीं होती, खासकर प्रेग्नेंसी के दौरान। इस फेज में ज्यादातर महिलाओं का वजन बढ़ जाता है। मेरा भी बढ़ गया था। क्योकि गर्भावास्था में शरीर को बच्चे की ग्रोथ और सेहत के लिए अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है। इसके अलावा, अन्य फैक्टर, जैसे हार्मोनल चेजेंस, नींद की कमी और तनाव सहित अन्य फैक्टर भी मेरी समझ में शामिल होते हैं। मैं यह तो बल्कि कुल नहीं कहती कि बच्चे की देखभाल में पिता का कोई रोल नहीं होता, लेकिन सच्चाई यही है कि ज्यादातर काम मां के हिस्से में ही आते हैं। मेरा भी यही हाल है। दिन - रात ब्रेस्टफीडिंग, रात-रात जागकर बच्चे को सुलाना। खाने-पीने का ध्यान नहीं। इन सभी वजहों से मैं खुद पर ध्यान ही नहीं दे पाती। वहीं, अब तो हर तीसरे-चौथे दिन आशीष मुझसे यही कहते हैं की 'कितनी मोटी हो गई हो, जल्दी से वजन कम करो। एक रात की बात है मुझसे कहने लगे की अगर जल्दी से तुम पुरानी वाली अनामिका नहीं बनी तो फिर मेरा अफेयर अगर कहीं और हो जाए, तो मुझसे मत कहना।' फिर तुरंत हंसते हुए जोड़ देते की 'अरे, मैं तो मजाक कर रहा था।' ये सुनते ही मेरे आंसू निकल गए की आखिर आशीष ऐसा कैसे बोल सकते हैं। बाद में उन्होंने मुझसे सॉरी भी कहा। लेकि?न कहते हैं न कि? मजाक में ही वह बात कही जाती है, जो इंसान असलयित में कह नहीं पाता, आशीष के साथ भी कुछ ऐसा ही था। खैर जैसे- तैसे वो रात बीती और डेली रूटीन में बीजी हो गई।अब आशीष का हर दिन बस यही कमेंट सुनने को मिलता है कि मैं अच्छी नहीं दिखती, मेरे इतने भारी शरीर में तो उनके अंदर कोई फीलिंग ही नहीं जगती है। दूसरी औरतों को देखो वो मां बनने के बाद भी फिट हैं।आशीष की इस तरह की बातें अब अंदर ही अंदर मुझे तोड़ने लगी हैं। कई बार रातों को नींद तक नहीं आती। बेटी के पास चुपचाप लेटी रहती हूं और उनकी कही हुई बातें सोचकर चुपचाप रो पड़ती हूं। मन में बस यही ख्याल आता है कि जिस आदमी से मैंने सच्चे दिल से प्यार किया था, वही आज मेरे प्रेग्नेंसी के बाद बढ़े हुए वजन को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा, तो ये जिन्दगी भर मेरा क्या साथ निभाएगा ।मैं किस दर्द से गुजर रही हूं यह किसी से साझा नहीं की, लेकिन न जाने कैसे मेरी एक खास सहेली कुछ दिन पहले मुझसे मिलने घर आई और बातों-बातों में ही उसने भांप लिया कि मैं भीतर से परेशान हूं। उसने बार-बार पूछने की कोशिश की, मगर मैंने कुछ नहीं बताया। फिर भी उसने समझाते हुए कहा- 'देखो अनामिका, परेशानी कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसे अपनी सेहत पर हावी मत होने दो।दोस्त ने आगे कहा- अगर अनामि?का तुम्हारी हेल्थ बिगड़ गई तो उससे बुरा कुछ नहीं होगा। और अपनी बेटी को देखो, उसके लिए तुम्हें मजबूत रहना है।' उसकी यह बात मेरे दिल को छू गई। तभी से मैंने ठान लिया कि अब आशीष की बातों पर सोचकर अपना मन नहीं दुखाऊंगी। उल्टा मैं अपनी बेटी और अपनी सेहत पर ध्यान दूंगी।

## राजेश खन्ना ने अचानक छोड़ी रजत के पिता की फिल्मः अमिताभ बच्चन से दुश्मनी थी वजह, कहा- उनकी वजह से फिल्म बंद हुई, पापा रातभर शराब पीते थे

मुंबई। 80 के दशक में सुपरस्टार राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन के बीच टशन के डाउनफॉल पर बात करते हुए रजत बेदी ने सिद्धार्थ कानन के इंटरव्यू में कहा, 'मैं स्कूल से आया

चलती थी। इस टशन के चलते रजत बेदी के पिता नरेंद्र बेदी को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था। रजत बेदी ने हाल ही में बताया है कि उनके पिता ने राजेश खन्ना के साथ 2-3 फिल्में साइन की थीं, लेकिन जब उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ भी फिल्में कीं, तो इससे राजेश खन्ना ऐसे नाराज हुए कि वो बिना बताए 15 दिनों तक शूटिंग में नहीं पहुंचे और फिल्म छोड़ दी। रजत बेदी के पिता नरेंद्र बेदी बड़े प्रोड्यूसर और डायरेक्टर थे। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ बेनाम, अदालत और ऋषि कपूर-नीतू के साथ रफू चक्कर जैसी हिट फिल्में बनाई थीं। एक समय में पॉपुलर फिल्ममेकर रमेश सिप्पी भी उनके असिस्टेंट थें। हालांकि बाद में उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में नुकसान उठाना पड़ा था। पिता और पापा उन्हें हैंडल कर रहे थे। फिर पापा के राजेश खन्ना के साथ भी कुछ दिक्कतें थीं। पापा ने उनके साथ कुछ 2-3 फिल्में शुरू की थीं। मुझे याद है कि राजेश जी को बुरा लग रहा था कि पापा बच्चन साहब (अमिताभ बच्चन) के साथ मिलकर कुछ प्रोजेक्ट कर रहे थे। मुझे रियल स्टोरी नहीं पता, लेकिन मैं एक चीज जानता हूं कि पापा एक-दो फिल्म के लिए पूरी फिल्म यूनिट लेकर पुणे गए थे, वो 10-15 दिन तक राजेश खन्ना जी के आने का इंतजार करते रहे थे, लेकिन राजेश जी नहीं आए और पापा ने वो प्रोजेक्ट बंद कर दिए। मुझे लगता है कि उस समय हीरो बहुत प्रोब्लमैटिक होते थे।' रजत ने आगे कहा, 'पापा और राजेश जी के बीच कुछ दिक्कतें थीं, बच्चन साहब की

दौड़कर आईं वो पैनिक हो गईं, उन्होंने मदद के लिए हर तरफ कॉल किए। फिर हम डॉक्टर के पास गए। वो समझ गई थीं क्योंकि पापा शराबी बन गए थे और डिप्रेशन में थे।' आगे उन्होंने कहा, 'वो (पिता) बहुत अच्छा कर रहे थे। मेरे दादा जी की देनदारी थी था, मुझे याद है कि जब मैं घर आया, वो कमरे से निकले और मेरे सामने गिर पड़े। मेरी मां वजह से और हो सकता है कि और भी चीजें रही हों। राजेश जी और पापा साथ में रातभर शराब पीते थे। मुझे याद है कि हमारे घर में शराब की क्रेट्स हुआ करती थीं, जहां पापा स्मोक करते थे, पानपराग खाते थे और शराब पीते थे। लाइफस्टाइल बहुत डरावनी थी। राजेश खन्ना मुझे याद है सुबह 6 बजे घर से जाया करते थे और रातभर घर में शराब पीते थे।' रजत ने बताया है कि शराब के चलते उनके पिता ने खुद पर ध्यान देना छोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि उनके पिता पार्टनरशिप में काम करते थे, लेकिन एक समय के बाद उन्हें उनके शेयर मिलने पूरी तरह बंद हो गए थे। कई लोगों ने उनके साथ धोखाधड़ी की थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।